गृह मंत्री अमित शाह द्वारा विपक्ष के सवालों और चिंताओं का जवाब देने के बाद राज्यसभा ने ध्वनि मत से विधेयक पारित किया। इस कानून का मसौदा कठोर है और इससे पहले यह बिल लोकसभा में पास हो चुका है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 113 दिनांक: 07-04-2022 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

नीदरलैंड में अपने प्रवास के तीसरे दिन बुधवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने हेग का दौरा किया, जहां उन्होंने नीदरलैंड के प्रधान मंत्री मार्क रूट से मुलाकात की।

विदेश नीति पर आम सहमति विश्व मंच पर भारत के लिए अच्छी

यूक्रेन के मुद्दे पर लोकसभा में हुई चर्चा को पीएम मोदी ने सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेन के हालात पर लोकसभा में हुई चर्चा की बुधवार को सराहना की। उन्होंने कहा कि चर्चा के उच्च स्तर से पता चलता है कि विदेश नीति के मामलों पर आम सहमति है जो विश्व मंच पर भारत के लिए अच्छी है। प्रधानमंत्री ने श्रृंखलाबद्ध ट्वीट कर कहा, 'पिछले कुछ दिनों में यूक्रेन में हालात और आपरेशन गंगा के जरिये अपने नागरिकों को वापस लाने के भारत के प्रयासों पर संसद में स्वस्थ चर्चा हुई है। मैं सभी सांसद सहयोगियों का आभारी हूं जिन्होंने अपने विचारों से इस चर्चा को समृध्द किया।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (ङ्मिस श्हृहीं र्ङ्गिंह श्द्र) ने कहा कि चर्चा के समृद्ध स्तर और रचनात्मक बिंदुओं से पता चलता है कि विदेश नीति के मामलों पर आम सहमति है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'अपने नागरिकों की सुरक्षा और कुशलता का ध्यान रखना हमारा सामूहिक दायित्व है और भारत सरकार यह सुनिश्चित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी कि विपरीत परिस्थितियों में हमारे लोगों को किसी तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े।' रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसके व्यापक वैश्विक असर के संदर्भ में भारत ने फिर दोहराया है कि उसने अपना पक्ष चुन लिया है और यह पक्ष है शांति का और हिंसा समाप्त करने का। लोकसभा में यूक्रेन पर बहस का जवाब देते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वहां के शहर बूचा में रूसी सैनिकों की तरफ से किए गए नरसंहार की कड़ी निंदा की और इसे काफी कष्टकारक बताते हुए घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। भारत ने यही बात संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी कही है।

जयशंकर ने लोकसभा में रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया में गेहूं, चीनी, चिकित्सा सामग्री की हो रही किल्लत दूर करने में भारत की तत्परता को भी सामने रखा। उन्होंने कहा- भारत ध्यान रखेगा कि किसी देश की स्थिति का फायदा न उठाए। विदेश मंत्री ने रूस के साथ भारत के रिश्तों पर भी विस्तार से अपने विचार रखे। करीब 45 मिनट के अपने भाषण में विदेश मंत्री ने रूस-भारत के बीच रुपये और रूबल में होने वाले कारोबार के संदर्भ में कहा कि अभी हमारे प्रयास दोनों देशों के बीच आर्थिक लेन-देन को स्थायित्व देने पर है क्योंकि यह बेहद अहम है। विदेश मंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में रूस बेहद अहम साझीदार है और उन्हें लगता है कि सभी माननीय सदस्य इसे समझते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि भुगतान के मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में गठित अंतर-मंत्रालयी समिति विचार कर रही है और वही अंतिम फैसला करेगी। लोकसभा में मंगलवार को यूक्रेन पर अल्पकालिक चर्चा हुई थी। इसमें विपक्षी दलों ने मोटे तौर पर सरकार को विदेश नीति के मोर्चे पर समर्थन देने की बात कही थी, लेकिन यूक्रेन में फंसे भारतीयों को बाहर निकालने की सरकार की कोशिश पर सवाल उठाए थे।

इसके जवाब में जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन से भारतीयों की वापसी को लेकर जो कोशिश हुई, वैसी पहले कभी नहीं हुई थी। जहां दूसरे देश हार मान चुके थे, वहीं हमने आगे बढ़कर अपने नागरिकों को स्वदेश लाने का अभियान चलाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व बहुत ही अनूठा रहा। खास तौर से जिस तरह चार कैबिनेट मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजा गया, उससे भारतीयों को स्वदेश लाने में काफी सहूलियत हुई। यही नहीं, इस दौरान यूक्रेन को 90 टन राहत सामग्री भी पहुंचाई गई।

भारत में कोरोना के दो नए वेरिएंट के मरीज मुंबई में मिले

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना वायरस के मरीजों में गिरावट को देखते हुए कोरोना प्रतिबंध हटा दिए हैं। लेकिन मुंबई से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. मुंबई में कोरोना के दो नए वेरिएंट मिले हैं। मुंबई में 'कापा' और 'एक्सई' नाम के दो नए वेरिएंट के मरीज मिले हैं। बताया गया है कि जीनोम अनुक्रमण के तहत ग्यारहवें परीक्षण में दो नए रूपों की पहचान की गई है। जबकि मुंबई में, परीक्षण से पता चला कि 99 प्रतिशत रोगी ओमायक्रॉन के थे। मुंबई में 230 सैंपल में 'ओमायक्रॉन' वाले कुल 228 मरीज मिले। एक रोगी 'कापा' उपप्रकार और दूसरा 'एक्सई' उपप्रकार से पीड़ित थे। अस्पताल में भर्ती 21 मरीजों में से किसी को भी ऑक्सीजन की आपूर्ति या गहन देखभाल की आवश्यकता नहीं थी। मुंबई मनपा द्वारा कोविड 19 वायरस के आनुवंशिक अनुक्रमण के लिए परीक्षण किए जा रहे हैं। 11वें बैच में मुंबई में 230 मरीजों से कोविड वायरस के नमूनों का अध्ययन किया गया और इसके निष्कर्षों की घोषणा की गई है. इसमें दो नए वेरिएंट के मरीज मिले हैं।

भारतीय युवा 3 साल तक सेना में दे सकेंगे सेवा

-मोदी सरकार जल्द कर सकती है 'अग्निपथ स्कीम' का ऐलान

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा बलों के खर्च और आयु प्रोफाइल को कम करने की दिशा में सरकार अग्निपथ एंट्री स्कीम नामक एक नई योजना की घोषणा करने के लिए तैयार है। इसके तहत युवा तीन साल की अवधि के लिए सेना में शामिल होंगे और देश सेवा करेंगे। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने कहा कि युवा अग्निपथ प्रवेश योजना के माध्यम से सेना में प्रवेश करेंगे और सेना में अपने कार्यकाल के दौरान अग्निवीर के रूप में जाने जाएंगे।

सेनाएं इस प्रोग्राम पर सरकार के सामने अंतिम प्रस्तुति दे रही हैं। अग्निवीरों के बीच से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सेना में बनाए रखा जाएगा और बाकी को नागरिक नौकरियों के लिए छोड़ने का विकल्प मिलेगा। सैन्य प्रशिक्षित युवाओं को नौकरी पर रखने के लिए कॉरपोरेट घराने भी सरकार के संपर्क में हैं। कोरोना महामारी के कारण सशस्त्र बलों में सैनिकों के लिए एंट्री साइकिल में पिछले दो वर्षों में भारी कटौती की गई है। रिकॉर्ड बताते हैं कि वर्तमान में रक्षा बलों में 1.125 लाख रिक्तियां हैं।

अंतिम योजना कीं रूपरेखा अभी तक सामने नहीं आई है। मूल अवधारणा तीन साल की निश्चित अवधि के लिए सामान्य और विशेष कर्तव्यों दोनों के लिए सैनिकों को लाने की है। यह सशस्त्र बलों में स्थाई भर्ती की पहले की अवधारणा से एक बदलाव होगा जिसमें सैनिक अलग-अलग समय के लिए सेवा करते हैं। भर्ती के लिए कैचमेंट एरिया का भी काफी विस्तार किया जा सकता है। तीन साल के अंत में, अधिकांश सैनिकों को डयूटी से मुक्त कर दिया जाएगा और उन्हें आगे के रोजगार के अवसरों के लिए सशस्त्र बलों से सहायता मिलेगी।

कॉरपोरेट कंपनियां ऐसे प्रशिक्षित और अनुशासित युवाओं के लिए नौकरी आरक्षित करने में रुचि दिखा रही हैं, जिन्होंने अपने देश की सेवा की है। सशस्त्र बलों द्वारा प्रारंभिक गणना में वेतन, भत्तों और पेंशन में बचत में हजारों करोड़ का अनुमान लगाया गया था। अग्निवीर के रूप में भर्ती किए गए युवाओं में से सर्वश्रेष्ठ को ही रिक्तियों के उपलब्ध होने की स्थिति में अपनी सेवा जारी रखने का अवसर मिल सकता है। सरकार द्वारा इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है।

डीजल-प्रेट्रोल की कीमतों में वृद्धि को लेकर कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने लोकसभा से किया बहिर्गमन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर बुधवार को लोकसभा में चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया और फिर बहिर्गमन किया। सदन में शून्यकाल आरंभ होने के साथ ही कई विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। कुछ सदस्यों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर लिखा हुआ था कि 'पेट्रोल-डीजल पर कर घटाया जाए। हंगामे के बीच, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा सदन में यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा हो रही है।

उन्होंने कहा चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पूरा जवाब दे दिया है। जोशी ने कहा क्या ये लोग (विपक्ष) चर्चा नहीं चाहते हैं? आप लोगों से अपील है कि विदेश मंत्री को जवाब देने दीजिए। कुछ देर तक नारेबाजी करने के बाद विपक्षी सदस्य सदन से बाहर चले गए। शून्यकाल के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा में हस्तक्षेप किया। बाद में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, आईयूएमएल, वीसीके, भाकपा, माकपा और केरल कांग्रेस (एम) के सदस्य ईंधन की कीमतों पर चर्चा चाहते थे। उन्होंने कहा यह अहंकारी सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं हुई।

ऐसे में हमने आसन के निकट पहुंचकर विरोध किया और फिर सदन से बाहर चले गए। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बुधवार को 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। बीते 16 दिन में इनके दाम में कुल दस रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की जा चुकी है। सरकारी ईंधन कंपनियों की ओर से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत पहले के 104.61 रुपये के मुकाबले अब 105.41 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल के दाम 95.87 रुपये से बढ़ाकर 96.67 रुपये प्रति लीटर कर दिए गए हैं।

राज्यसभा में कांग्रेस आप पर बरसे अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा में दिल्ली नगर निगम संशोधन बिल पेश करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कांग्रेस पर जमकर बरसे। कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि जो लोग हमें सत्ता का भूखा कह रहे हैं उन्हें खुद का चेहरा आईने में देख लेना चाहिए। अमित शाह यही नहीं रुके। उन्होंने कहा-वो कांग्रेस पार्टी जिसने आपातकाल लगाया, सारे लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए, बिना कारण विपक्षी नेताओं क जेल में डलवा दिया, प्रेस पर पाबंदी लगा दी, यहां तक की किशोर कुमार के गानों पर भी रोक लगा दी वो आज लोकतंत्र की दुहाई दे रही है? दरअसल राज्यसभा में विपक्ष ने दिल्ली नगर निगम संशोधन बिल लाने के लिए सरकार की संवैधानिक क्षमता पर सवाल उठाया था जिसके जवाब में अमित शाह ने ये बात कही। इससे पहले अमित शाह ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार तीनों नगर निगमों के साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि तीनों नगर निगमों को एक करने के पीछे का कारण नीतियों और संसाधनों में आ रही कमियों को दूर करना है जिससे जनता को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिल सके। गौरतलब है कि दिल्ली नगर निगम (संशोधन) बिल, 2022 को लोकसभा से पहले ही पास कराया जा चुका है। दिल्ली में होने वाले नगर निगम चुनाव से पहले तीनों नगर निगमों को मिलाकर एक करने का फैसला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आम आदमी पार्टी आरोप लगा रही है कि बीजेपी नगर निगम चुनाव में अपनी हार को देखते हुए इसे तीन की बजाय एक करने की कोशिश कर रही है ताकि उसकी छवि सुधर सके।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को सीबीआई ने अपनी हिरासत में लिया

मुंबई (ईएमएस)। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ऑर्थर रोड जेल में बंद महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को सीबीआई ने अपनी हिरासत में लिया है। 100 करोड़ वसूली टारगेट के आरोप की जांच कर रही सीबीआई इसके पहले अनिल देशमुख के पीए और पीएस संजीव पलांडे और कुंदन शिंदे के साथ बर्खास्त एपीआई सचिन वझे को भी गिरफ्तार कर चुकी है। बुधवार को अदालत में लंबी बहस के बाद देशमुख को 11 अप्रैल तक सीबीआई की रिमांड में भेज दिया गया। सीबीआई पूछताछ के लिए देशमुख को दिल्ली भी ले जा सकती है। इसलिए अदालत में उनकी तरफ से सीबीआई रिमांड का विरोध किया गया और खराब स्वास्थ्य का भी हवाला दिया गया।

अदालत में सीबीआई ने देशमुख की 10 दिन तक रिमांड मांगते हुए बताया कि पूर्व मंत्री, सचिन वझे के माध्यम से मुंबई के बार मालिकों से फिरौती वसूल रहे थे और इसके लिए पलांडे और शिंदे वझे के संपर्क में थे। वझे 4.60 करोड़ की फिरौती वसूल भी चुके थे। सीबीआई काउंसिल ने बताया कि हम पलांडे, शिंदे और वझे को पहले ही गिरफ्तार कर चुके हैं। इसलिए हम देशमुख को गिरफ्तार कर चारों से आमने-सामने पूछताछ करना चाहते हैं। सीबीआई ने आरोपियों को दिल्ली ले जाने की बात भी बताई और कोर्ट को बताया कि हमारा पूरा सेटअप दिल्ली में है। आरोपी के साथ-साथ सबूतों की वैज्ञानिक तरीके से जांच के लिए सभी सुविधाएं और उपकरण दिल्ली में है।

अनिल देशमुख की तरफ से वकील अनिकेत निकम ने बहस की। निकम ने दिल्ली ले जाने का विरोध किया। बताया कि इसके पहले मुंबई में सीबीआई मुख्यालय में पूछताछ की जा चुकी है। तीन दिन तीन रात पूछताछ की गई थी। निकम ने ये भी बताया कि अनिल देशमुख की तबीयत ठीक नहीं है, वो कई बीमारियों से पीड़ित हैं। 73 साल की उम्र में दिल्ली की लंबी यात्रा उचित नहीं है। पिछले हफ्ते ही बाथरूम में गिरने से कंधे में चोट आई थी जिसकी फिजियोथेरपी चल रही है। जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है। कोर्ट ने सीबीआई हिरासत में देशमुख को घर का बना खाना खाने की इजाजत दे दी है। साथ ही मुंबई से दिल्ली ले जाने से पहले जेजे अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना जरूरी होगा। देशमुख ने इसके पहले सीबीआई की गिरफ्तारी से बचने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया था लेकिन दो जजों ने सुनने से इंकार कर दिया था।

बहस के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को ये भी बताया कि अनिल देशमुख को सीबीआई हिरासत से बचाने के लिए राज्य सरकार की तरफ से हर संभव प्रयास किया गया। अनिल देशमुख को मंगलवार को दोपहर को ही जेजे अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी लेकिन जेल नियमावली के मुताबिक शाम पांच बजे के बाद आरोपी को हिरासत में नहीं लिया जाता है। इसलिए दोपहर से रात तक देशमुख को जेजे अस्पताल में ही रखा गया और देर रात ऑर्थर रोड जेल ले जाया गया। लंबी बहस के बाद आखिरकार अदालत ने अनिल देशमुख को 11 अप्रैल तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया।

बूचा नरसंहार की भारत ने की निंदा, कूटनीतिक संवाद से हल किए जाने चाहिए विवाद : जयशंकर

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन की स्थिति पर लोकसभा में कहा कि भारत ने अगर कोई पक्ष चुना है, तो वह शांति का पक्ष है। दरअसल, लोकसभा में यूक्रेन संकट को लेकर हुई चर्चा का जवाब देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन की स्थिति के संबंध में भारत के कदमों को राजनीतिक रंग देने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। विदेश मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि हम रूस और यूक्रेन के बीच जारी मौजूदा संघर्ष के खिलाफ हैं। हम चाहते हैं कि दोनों देश बातचीत के माध्यम से असहमतियां दूर करें।

हमारा मानना है कि खून बहाकर और मासूमों की जान की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है। संवाद और कूटनीति किसी भी विवाद का सही समाधान है। जयशंकर ने कहा कि कई सांसदों ने बूचा में घटना को उठाया। हम रिपोर्टों से बहुत व्यथित हैं। हम वहां हुई हत्याओं की कड़ी निंदा करते हैं। यह एक अत्यंत गंभीर मामला है, हम स्वतंत्र जांच के आह्वान का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा यूक्रेन में संघर्ष के वैश्विक अर्थव्यवस्था और हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हुए हैं।

सभी देशों की तरह, हम भी इसके प्रभावों का आकलन कर रहे हैं और तय कर रहे हैं कि हमारे राष्ट्रीय हित के लिए सबसे अच्छा क्या है? इन परिस्थितियों में भारत को क्या करना चाहिए? ऐसे समय में जब ऊर्जा की लागत बढ़ गई है, स्पष्ट रूप से, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि भारत में आम व्यक्ति अतिरिक्त और अपरिहार्य बोझ के अधीन न हो।

विदेश मंत्री ने कहा आज की वैश्विक परिस्थितियों में हमारा मानना है कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों तथा सभी की क्षेत्रीय अखंडता एवं सम्प्रभुता का सम्मान करना चाहिए। यूक्रेन की स्थिति के संदर्भ में विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने अगर कोई पक्ष चुना है, तो वह शांति का पक्ष है। हम तत्काल हिंसा समाप्त करने के पक्ष में हैं। यह रुख संयुक्त राष्ट्र सहित सभी मंचों पर हमने रेखांकित किया है। विदेश मंत्री ने कहा कि हम ने रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपति स्तर से लेकर हर स्तर पर संवाद किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं बात की। उन्होंने कहा कि भारत की यात्रा पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को हमारा यही संदेश था कि भारत शांति के लिए कोई भी मदद दे सकता है, तो वह हमेशा इसके लिए तैयार है।

जवाहिरी की प्रशंसा ने साबित किया कि हिजाब विवाद के पीछे 'अदृश्य हाथ' - ज्ञानेंद्र

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि हिजाब विवाद और हिजाब के पक्ष में खड़े होकर 'अल्लाह-हू-अकबर' का नारा लगाने वाली छात्रा मुस्कान खान की प्रशंसा करने संबंधी अल कायदा प्रमुख अयमान अल जवाहिरी के वीडियो से साबित होता है कि इस विवाद के पीछे 'अदृश्य हाथ' है। उन्होंने कहा कि गृह और पुलिस विभाग के अधिकारी घटनाक्रम पर नजर जमाए हुए हैं। जवाहिरी की ओर से मुस्कान खान की प्रशंसा को लेकर पूछे गए सवाल पर ज्ञानेंद्र ने कहा, 'हम यह बात शुरुआत से ही कहते आ रहे हैं और हाईकोर्ट ने भी हिजाब पर फैसले में संभावना जताई है कि इस विवाद के पीछे कुछ अनदेखी ताकतें हो सकती है...अब तक साबित हो गया है क्योंकि अल कायदा के लोग अब वीडियो जारी कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'ये चीजें कैसे हो रही हैं और इनके बीच क्या संबंध है। इन सभी बातों को पुलिस देख रही है।वे इसका पता लगाएंगे।' गौरतलब है कि फरवरी माह में जब हिजाब विवाद पूरे जोर पर था तो मांडया में भगवा शाल पहने स्टूडेंट ने हिजाब पहनकर कॉलेज में एंट्री को लेकर मुस्कान खान को 'तंग' किया था। इन स्टूडेंट ने जब ठजय श्री रामठ के नारे लगाए थे तो जवाब में मुस्कान ने जवाब में 'अल्लाह-हू-अकबर' की आवाज लगाई थी। बाद में कॉलेज प्रशासन ने दखल देते हुए स्थिति को नियंत्रण में किया था।

भारत की ओर से 24 घंटों में श्रीलंका में 76 हजार टन ईंधन भेजा गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की ओर से 24 घंटों में श्रीलंका में 76 हजार टन ईंधन भेजा गया है।श्रीलंका का आर्थिक संकट कितना गहरा चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां ईंधन, रसोई गैस के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं। पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल के लिए लोग कई घंटों तक इंतजार करने के लिए मजबूर है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है और और घंटों की बिजली कटौती से जनता तंग आ चुकी है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्रियों ने कहा, पार्टी के लिए हमेशा राष्ट्र प्रथम रहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुधवार को भाजपा अपना 42वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता लगातार अपने कार्यकर्ताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी पार्टी के स्थापना दिवस पर बड़ी बातें कहीं हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा की यात्रा देश और दुनिया के राजनीतिक विश्लेषकों के लिए आश्चर्य का विषय है। ये यात्रा बहुत कुछ कह देती है। योगी ने कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना का उद्देश्य यहीं था कि हमें सत्ता की राजनीति नहीं, हमें भारत के लिए समर्पण का भाव पैदा करने वाले लोगों को राजनीतिक दल के रूप में आगे बढ़ाने का कार्य करना है।

हिमाचल ने भी तय कर लिया है, यहां भी जनता पुरानी राजनीति से तंग आ चुकी है, लोग यहां भी नई ईमानदार राजनीति चाहते हैं : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/हिमाचल प्रदेश (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज पंजाब के सीएम सरदार भगवंत मान के साथ हिमाचल प्रदेश के मंडी में विशाल रोड शो कर कहा कि हिमाचल ने भी तय कर लिया है। यहां भी जनता पुरानी राजनीति से तंग आ चुकी है और लोग यहां भी नई ईमानदार राजनीति चाहते हैं। हमें राजनीति करनी नहीं आती, हमें भ्रष्टाचार खत्म करना आता है। पहले दिल्ली में, फिर पंजाब में भ्रष्टाचार खत्म किया। अब हिमाचल प्रदेश में खत्म करेंगे। 'आप' की सरकार ने केवल 20 दिन में पंजाब से भ्रष्टाचार खत्म कर दिया। अगर हमने 20 दिन में भ्रष्टाचार खत्म कर दिया, तो 75 साल में इन्होंने क्यों नहीं किया? पहले पैसा नीचे से उपर तक जाता था। अब ईमानदार मुख्यमंत्री आ गया है। अब जो पैसा खाएगा, वो सीधे जेल जाएगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाले चुनाव में हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पंजाब का रिकॉर्ड भी तोड़ेगा और उससे से भी ज्यादा सीटें लेकर आएगा। वहीं, सीएम भगवंत मान ने कहा कि अभी तक आपके पास तिसरा रास्ता नहीं था लेकिन अब भगवान ने राजनीति की गंदगी साफ करने के लिए अपना झाड़ू फेंका है। आपने इनको वोट देकर बहुत देख लिया। इस बार आप बिजली-पानी जैसी अपनी बुनियादी सुविधाओं के लिए वोट दें।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान के साथ हिमाचल प्रदेश में विशाल रोड शो कर तिरंगा यात्रा निकाली। मंडी के न्यू विक्टोरिया ब्रिज से शुरू हुए रोड शो में भारी जन-सैलाब उमड़ पड़ा। स्थानीय लोग 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मिलने और उन्हें सुनने के लिए काफी उत्साहित दिखे। रोड शो में तिरंगा झंडा के साथ उमड़ी भारी भीड़ में मौजूदा सरकार के प्रति नाराजगी साफ झलक रही थी और लोग दिल्ली के बाद पंजाब की तरह ही अब हिमाचल प्रदेश में भी बदलाव चाहते हैं। इस दौरान 'आप' हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रभारी एवं दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और प्रदेश प्रभारी दुर्गेश पाठक समेत प्रदेश में पार्टी संगठन के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

पेट्रोल और डीजल की कीमत फिर 80 पैसे बढ़ी, सीएनजी भी महंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बुधवार को एक बार फिर 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस बढ़ोतरी के बाद 16 दिन में पेट्रोल-डीजल के दाम में 10 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जा चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 104.61 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 105.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.87 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 96.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा मुंबई में अब पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं आज एक बार फिर सीएनजी के दामों में भी ढ़ाई रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में देशभर में वृद्धि की गई है, लेकिन इनके दाम स्थानीय कर के आधार पर अलग-अलग राज्यों में भिन्न हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें करीब 137 दिन तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को बढ़ाई गई थीं। तब से 14वीं बार कीमतों में वृद्धि की गई है। बीतो दो सप्ताह में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 10 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है।

कार्टून कोना

रूस पर एक्शन नहीं ले सकते तो खुद को बंद कर दे संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर वे रूस पर एक्शन नहीं ले सकते हैं तो फिर उन्हें इस संस्था को बंद कर देना चाहिए। इस दौरान जेलेंस्की ने से कहा कि रूसी बलों द्वारा की गई ज्यादतियां इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के कृत्यों से अलग नहीं हैं। उन्होंने रूसी बलों को ''युद्ध अपराध करने'' के मामले में न्याय के दायरे में लाने की खातिर तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग की। यूक्रेन में रूसी युद्ध अपराधों की इस्लामिक स्टेट (दाएश) से तुलना करते हुए, और नूर्नबर्ग की तर्ज पर एक न्यायाधिकरण के माध्यम से पूर्ण जवाबदेही की मांग करते हुए, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से एक वर्चुअल संबोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र को या तो बंद कर देना चाहिए और खुद को भंग कर देना चाहिए या कठोर सुधार करना चाहिए और रूस को परिषद से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यूएन बातों से ज्यादा कुछ करना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने जनादेश को पूरा करना चाहता है तो उस यह करना चाहिए। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने पहले संबोधन में कहा, ''मैं रूसी बलों के कब्जे से हाल में मुक्त कराए गए एवं कीव के पास स्थित बूचा शहर से कल लौटा। वहां एक भी ऐसा अपराध नहीं है, जो हुआ नहीं हो।

सोनिया ने मोदी सरकार को सुनाई खूब खरी-खरी, लेकिन कांग्रेस में बदलाव पर कुछ नहीं कह सकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकारों की उपलब्धियों का बखान किया, वहीं मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की खामियां भी गिना दी। संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की बैठक में सोनिया ने मनरेगा, खाद्य सुरक्षा कानून, गुटनिरपेक्षता की नीति का जिक्र करते हुए कांग्रेस सरकारों की पीठ थपथपाकर दावा किया कि मोदी सरकार में जांच एजेंसियों के दुरुपयोग से विपक्षी दलों को दबाया जा रहा है। सोनिया ने कहा कि बीजेपी जानबूझकर देश का सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द्र खत्म कर रही है। सोनिया गांधी ने कांग्रेस संगठन की कमजोरी पर भी चिंता जताकर कहा कि पार्टी की मजबूती समाज और लोकतंत्र के लिए जरूरी है। कुल मिलाकर कहें, तब सोनिया ने समस्याओं का भरपूर जिक्र किया, लेकिन कोई समाधान पेश नहीं कर सकीं। बात कांग्रेस को मजबूत करने की हो या फिर बीजेपी की कथित मनमानी पर लगाम लगाने की, क्या और कैसे किया जाए, सोनिया कोई रोडमैप नहीं दे सकीं।

सोनिया गांधी ने कहा, हमारा फिर से मजबूत होना सिर्फ हमारे लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र और समाज के लिए भी जरूरी है। बैठक में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी और कई अन्य सांसद शामिल हुए। सोनिया ने कहा कि पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में हार से कांग्रेस नेताओं में किस हद तक मायूसी है, उन्हें इसका अंदाजा है। लेकिन, इस मायूसी को उत्साह में कैसे बदला जाए, इसके लिए सोनिया के पास कोई खाका नहीं है। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि चिंतन शिविर आयोजित किया जाना चाहिए। भला चिंतन शिविर की उपलब्धियां किसे पता नहीं हैं? चिंतन शिविर में क्या होता है, किसे पता नहीं है? सोनिया कांग्रेस की लीडर हैं। लीडर का काम होता है कि वहां पार्टी को रास्ता दिखाए, लेकिन वहां कहती हैं कि पार्टी जो भी कहेगी, वहां करने को तैयार हैं। सोनिया गांधी ने कहा, 'आगे रास्ता और भी चुनौतीपूर्ण है। हमारे समर्पण, लचीलेपन की भावना और प्रतिबद्धता की परीक्षा है। हमारे व्यापक संगठन के हर स्तर पर एकजुटता जरूरी है। इसे सुनिश्चित करने के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं।' सोनिया की प्रतिबद्धता पर सवाल नहीं है, सवाल है नई चुनौतियों से निपटने के लिए पुराना ढर्रा छोड़कर नए आइडियाज पर काम करने का। क्या सोनिया के पास कोई आइडिया है? अगर है तो अतीत की उपलब्धियों की बखान करके संतोष कर लेना कहां की होशियारी है? नहेरू की गुटनिरपेक्ष नीति से मनमोहन के मनरेगा तक की उपलब्धियों को कोई नकार नहीं सकता, लेकिन क्या इसे दोहराते रहने भर से छिटक रहे मतदाता वापस कांग्रेस का रुख कर लेंगे?

जन हितैषी

महंगाई की मार

पेट्रोल और डीजल के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टर्स और व्यापारी से लेकर आम लोग तक सभी प्रभावित हुए हैं। जिस रफ्तार से ईंधन के दाम बढ़ रहे हैं उसका सीधा असर बाजार पर हो रहा है। पिछले 15 दिन में ही पेट्रोल और डीजल 9 रुपए 16 पैसे महंगे हो गए हैं। बाजार मामलों से जुड़े जानकार और व्यापारी कहते हैं कि इसका सीधा असर माल भाड़े पर पड़ेगा और इसमें 16 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो इससे आम आदमी पर भी महंगाई का बोझ पड़ेगा। जहां एक ओर कोरोना महामारी के कारण आम आदमी की आमदनी घटी है तो वहीं दूसरी ओर सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर खूब कमाई की है। बीते 3 सालों में जहां एक ओर प्रति व्यक्ति सालाना आय 1.26 लाख रुपए से घटकर 99,155 रुपए सालाना पर आ गई है, वहीं सरकार की एक्साइज डयूटी से कमाई 2,10,282 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,71,908 करोड़ पर पहुंच गई है। यानी बीते 3 साल में पेट्रोल-डीजल पर टैक्स (एक्साइज डयूटी) लगाकर सरकार ने 8 लाख करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। महंगाई को लेकर विपक्ष हमलावर है, सरकार इस पर काबू पाने के उपाय तलाश रही है। रोज डीजल और पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, रसोई गैस और वाहनों में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी की कीमतें भी थोड़े-थोड़े अंतराल पर बढ़ जा रही हैं। कहा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढऩे और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते तेल आपूर्ति में रुकावट आने की वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। आरोप लगते हैं कि पांच राज्यों में विधानसभाओं के चुनाव के मद्देनजर सरकार ने करीब तीन महीने ईंधन की कीमतों की समीक्षा रोके रखी। उनमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। यहां तक कि उस दौरान केंद्र ने उत्पाद शुल्क में कटौती कर तेल की कीमत घटाई थी। जबकि उस दौरान भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊपर थीं। तब स्वाभाविक ही पूछा जा रहा था कि अगर सरकार चुनाव के समय तेल की कीमतों पर नियंत्रण कर सकती है, तो बाद में क्यों नहीं। विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद से डीजल और पेट्रोल की कीमतें अब तक थोड़ा-थोड़ा करके सात रुपए से अधिक बढ़ चुकी हैं। इसी तरह प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी हो चुकी है। महीना भी नहीं हुआ कि सीएनजी की कीमत में एक रुपए तीस पैसे प्रति किलो की बढ़ोतरी हो चुकी है। ईंधन के दाम में बढ़ोतरी की मार सबसे अधिक गरीब, मध्यवर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ती है। घरेलू गैस का सिलेंडर एक हजार रुपए से पार पहुंच गया है। व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत पिछले एक महीने में दो बार बढ़ चुकी है। ताजा बढ़ोतरी ढाई सौ रुपए की हुई है। इसी तरह पाइप के जरिए घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस यानी पीएनजी की कीमत पांच रुपए प्रति घन मीटर बढ़ा दी गई है। खुदरा और थोक महंगाई इस समय अपने शिखर पर है। उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगी हैं, जिसे लेकर आम लोग परेशान हैं। तिस पर तेल और गैस की कीमतें बढऩे से उन पर अतिरिक्त मार पडऩी शुरू हो गई है। तेल की कीमतें बढऩे से केवल उन लोगों की जेब पर असर नहीं पड़ता, जो बड़ी गाडियों में चलते हैं, बल्कि दुपहिया, तिपहिया और सार्वजनिक वाहनों से चलने वालों पर भी इसका असर पड़ता है। माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, तो उसकी मार हर वर्ग पर पड़ती है। उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं। पिछले कार्यकाल में केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना को बड़ी उपलब्धि के तौर पर गिनाया। मगर हालत यह है कि पिछले सात सालों में घरेलू गैस की कीमतें करीब ढाई गुना बढ़ चुकी हैं। लोगों को मुफ्त के सिलेंडर तो मिल गए, मगर उनमें गैस भराने के पैसे उनके पास नहीं हैं। अब बहुत सारे लोगों के सामने यह विकल्प भी नहीं बचा है कि पुराने तरीके से रसोई पका सकें। इसी तरह व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत बढऩे से छोटे स्तर के बहुत सारे कारोबारियों पर मार पड़ी है। खानपान की दुकानें चलाने वालों के सामने संकट है कि अगर वे अपनी वस्तुओं की कीमत बढ़ाते हैं, तो ग्राहक घटने की आशंका रहती है और न बढ़ाएं तो घाटा उठाना पड़ता है। इस समय तेल पर करीब 27 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क वसूला जाता है। अगर सरकार केवल उसमें कटौती कर दे, तो कीमत नियंत्रण में आ जाएगी। मगर उसका ऐसा इरादा दिख नहीं रहा।

श्रीलंका में अराजकता

भारत के दो पड़ौसी देशों, पाकिस्तान और श्रीलंका में अस्थिरता के बादल छा गए हैं। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला जो भी हो और श्रीलंका की राजपक्ष भाइयों की सरकार रहे या चली जाए, हमारे इन दो पड़ौसी देशों की राजनीति गहरी अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गई है। जहां तक श्रीलंका का प्रश्न है, वहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य तीन मंत्री एक ही राजपक्ष परिवार के सदस्य हैं। ऐसी पारिवारिक सरकार शायद दुनिया में अभी तक कभी नहीं बनी है। जब सर्वोच्च पदों पर इतने भाई और भतीजे बैठे हों तो वह सरकार किसी तानाशाह से कम नहीं हो सकती। राजपक्ष-परिवार श्रीलंका का राज-परिवार बन गया। श्रीलंका में आर्थिक संकट इतना भीषण हो गया है कि कल पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया। सबसे बड़ी बात यह कि जिन चार मंत्रियों को फिर नियुक्त किया गया, उनमें वित्तमंत्री बसील राजपक्ष नहीं हैं। वित्तमंत्री के खिलाफ सारे देश में जबर्दस्त रोष फैला हुआ है, क्योंकि महंगाई आसमान छूने लगी है। चावल 500 रु. किलो, चीनी 300 रु. किलो और दूध पाउडर 1600 रु. किलो बिक रहा है। बाजार सुनसान हो गए हैं। ग्राहकों के पास पैसे नहीं हैं। रोजमर्रा पेट भरने के लिए हर परिवार को ढाई-तीन हजार रु. चाहिए। लोग भूखे मर रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले दो-तीन दिन में सरे-आम लूट-पाट की खबरें भी श्रीलंका से आने लगें। पेट्रोल, डीजल और गैस का अकाल पड़ गया है, क्योंकि उन्हें खरीदने के लिए सरकार के पास डॉलर नहीं हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग-भागकर भारतीय आ रहे हैं । श्रीलंका के रिजर्व बैंक के गवर्नर अजीत निवार्ड कबराल ने भी इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के तीन बड़े आधार हैं। पर्यटन, विदेशों से आनेवाला श्रीलंकाइयों का पैसा और वस्त्र-निर्यात। महामारी के दौरान ये तीनों अधोगति को प्राप्त हो गए। 12 बिलियन डॉलर का विदेशी कर्ज चढ़ गया। उसकी किस्तें चुकाने के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है। चाय के निर्यात की आमदनी घट गई, क्योंकि रासायनिक खाद पर प्रतिबंध के कारण चाय समेत सारी खेती लंगड़ा गई। श्रीलंका को पहली बार चावल का आयात करना पड़ा। 2019 में बनी इस राजपक्ष सरकार ने अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लालच में तरह-तरह के टैक्स घटा दिए और मुफ्त अनाज बांटना शुरु कर दिया। सारा देश विदेशी कर्जे में डूब गया। गांव-गांव और शहर-शहर में लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। घबराई हुई सरकार ने विरोधी दलों से अनुरोध किया कि सब मिलकर संयुक्त सरकार बनाएं लेकिन वे तैयार नहीं हैं। राजपक्ष सरकार ने पहले आपात्काल घोषित किया, संचारतंत्र पर कई पाबंदियां लगाईं और अब उसे कर्फ्यू भी थोपना पड़ा है। भारत सरकार ने श्रीलंका की तरह-तरह से मदद करने की कोशिश की है लेकिन जब तक दुनिया के मालदार देश उसकी मदद के लिए आगे नहीं आएंगे, श्रीलंका अपूर्व अराजकता के दौर में प्रवेश कर जाएगा। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

07 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

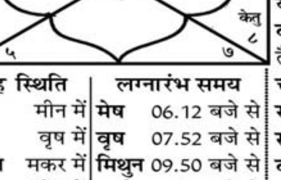

गुरुवार 2022 वर्ष का 97 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 20.33 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 22.41 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 09.31 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.17 बजे तदनन्तर तैतिल 20.33 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871211
जूलियन दिन 2459676.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान
तारीख 05
विशेष यमुना छठ।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.12 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	07.52 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	09.50 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.04 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.20 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	16.32 बजे से
शनि	मकर में	तुला	18.43 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	20.57 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.13 बजे से
राहुकाल		मकर	01.18 बजे से
1.30 से 3.00		कुंभ	03.05 बजे से
बजे तक		मीन	04.38 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

वह करें तो तुष्टीकरण और यह करें तो सद्भाव ?

भारतीय जनता पार्टी के लोग हमेशा ही पिछली ग़ैर भाजपाई सरकारों पर अल्पसंख्यकों ख़ासकर मुस्लिमों का तुष्टीकरण करने का आरोप लगाते रहे हैं। और इसी दुष्प्रचार की बदौलत देश के बहुसंख्य हिन्दू समाज को अपने पक्ष में गोलबंद करने का काम भाजपा दशकों से करती रही है। मिसाल के तौर यदि यू पी ए सरकार के दौर में हज पर जाने वाले यात्रियों को सब्सिडी दी जाती थी तो उसे यह तुष्टिकरण बताते थे। कोई राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री यदि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की अजमेर शरीफ़ स्थित दरगाह अथवा किसी अन्य पीर फ़क़ीर की दरगाह पर सद्भावना के तहत अपनी ओर से मज़ार पर चढ़ाने के लिये चादर भेजता था तो वह भी इनकी 'परिभाषा' के अनुसार तुष्टीकरण था। मदरसों को प्रोत्साहित करने हेतु बनने वाली योजनाएं 'तुष्टीकरण' यहाँ तक कि रमज़ान के दिनों में यदि कहीं राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री या कोई मंत्री रोज़ा इफ़्तार का आयोजन करता था तो उसे भी 'तुष्टीकरण' ही बताया जाता था। यह और बात है कि इसी 'तथाकथित तुष्टीकरण काल' के दौरान ही जस्टिस राजेंद्र सच्चर की अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में आई रिपोर्ट भारतीय मुसलमानों की आर्थिक,सामाजिक व शैक्षिक स्थिति का जो ख़ुलासा करती है वह मुस्लिम 'तुष्टीकरण' जैसे आरोपों से बिलकुल विपरीत थी।

बहरहाल 'तुष्टीकरण' के आरोपों की इसी नाव पर सवार होकर भाजपा ने 2014 में केंद्र की सत्ता संभाली। बहुसंख्यकवाद की राजनीति कर देश के बहुसंख्यक हिन्दुओं को यह जताने का प्रयास किया कि मोदी सरकार हिन्दू हितों का सम्मान व ध्यान रखने वाली एक ऐसी सरकार है जिसमें अब 'मुस्लिम तुष्टीकरण' की कोई गुंजाइश नहीं है। केंद्र की मोदी सरकार का ऐसा ही एक निर्णय था जनवरी 2018 में मुसलमानों को हज यात्रा के लिए दी जाने वाली सब्सिडी ख़त्म करने का फ़ैसला लिया जाना। हालांकि सरकार द्वारा हज के अतिरिक्त दूसरी धार्मिक यात्राओं जैसे कैलाश मानसरोवर व ननकाना साहिब गुरुद्वारा की यात्रा के लिए भी सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती रही है। जबकि मुसलमानों की ओर से किसी भी नेता,दल अथवा संगठन ने हज यात्रा के लिये सब्सिडी दिये जाने की मांग कभी नहीं की। बल्कि ठीक इसके विपरीत मुसलमानों का एक बड़ा तबक़ा, अनेक मुस्लिम धार्मिक संस्थाएं तथा मुस्लिम हितों की बात करने वाले असदुद्दीन ओवैसी जैसे सांसद भी हज सब्सिडी को ख़त्म करने की मांग करते रहे। इन्हीं हालात में साल 2012 में ही सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र को वर्ष 2022 तक चरणबद्ध तरीक़े से हज सब्सिडी ख़त्म करने का निर्देश भी दिया था। परन्तु मोदी सरकार ने 2018 में ही हज सब्सिडी समाप्त कर इसे मुस्लिम अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण समाप्त करने के अपने एजेंडे के रूप में दर्शाया। उस समय सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि हज सब्सिडी समाप्त करने के सरकार के फ़ैसले से 700 करोड़ रुपये बचेंगे और ये पैसे अल्पसंख्यकों की शिक्षा विशेषकर मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर ख़र्च किये जायेंगे।

इसी तरह देश में रमज़ान महीने में नेताओं द्वारा इफ़्तार पार्टी दिये जाने की काफ़ी पुरानी परंपरा है। देश में हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई भाईचारे तहत यह सिलसिला प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बंटवारे के कुछ समय बाद ही शुरू किया था। उस समय कांग्रेस के तत्कालीन पार्टी कार्यालय 7 जंतर मंतर पर पंडित नेहरू इफ़्तार पार्टी दिया करते थे। हालांकि 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद इफ़्तार पार्टी का यह सिलसिला कुछ वर्षों तक थम गया था । परन्तु 1971 के भारत-पाकिस्तान-बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान की ऐतिहासिक पराजय के पश्चात् तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1972 में दिल्ली में एक बहुत बड़ा ईद मिलन समारोह आयोजित किया था। इसमें जयप्रकाश नारायण सहित पूरे देश के पक्ष विपक्ष के अनेक बड़े नेता व राजदूत शरीक हुए थे। इंदिरा गाँधी के शासनकाल में इफ़्तार पार्टी ही नहीं बल्कि होली-दीवाली मिलन, गुरु पर्व मिलन, क्रिसमस मिलन भी आयोजित होता रहा। देश में साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने ग़रज़ से पूरे राष्ट्रपति भवन व प्रधानमंत्री निवास से लेकर देश के अनेक केंद्रीय मंत्री,मुख्यमंत्री के आवास व अनेक पार्टी मुख्यालयों पर इफ़्तार पार्टियां हुआ करती थीं। परन्तु 25 जुलाई, 2017 को जब रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली उसी समय उन्होंने यह निर्णय लिया कि -'राष्ट्रपति भवन एक सार्वजनिक इमारत है, यहां सरकार या कर दाताओं के पैसों से किसी भी धार्मिक त्योहार का आयोजन नहीं होगा। और राष्ट्रपति के इस फ़ैसले के साथ ही राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही इफ़्तार पार्टी की परंपरा समाप्त हो गयी। इससे पूर्व 2017 में ही राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कार्यकाल में क्रिसमस पर होने वाली कैरोल सिंगिंग का आयोजन भी रद्द कर दिया गया था। इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री निवास में न तो कभी इफ़्तार पार्टी की मेज़बानी की और न ही किसी इफ़्तार पार्टी में शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी को देखकर उनकी पार्टी के अनेक नेता,मंत्री मुख्यमंत्रियों ने इफ़्तार पार्टियों से दूरी बनाना शुरू कर दिया। इन सब बातों का एक ही सन्देश था कि भाजपा मुस्लिम तुष्टीकरण का कोई काम नहीं करती ।

परन्तु पिछली सरकारों पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाने वाली भाजपा सरकार तथा भाजपा के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा मुसलमानों के संदर्भ में किये जाने वाले कई फ़ैसले आश्चर्यचकित करने वाले हैं। इसमें स्कूल ड्रॉप-आउट बच्चों को ब्रिज कोर्स करवा कर मेनस्ट्रीम एजुकेशन में लाया जाना,मदरसों को मुख्यधारा में लाने के लिए वहां हिंदी, अंग्रेज़ी,गणित और विज्ञान की शिक्षा दिया जाना,अल्पसंख्यक वर्ग के पांच करोड़ छात्रों को अगले पांच साल में छात्रवृत्तियां दिये जाने की घोषणा करना तथा अल्पसंख्यकों के शैक्षिक संस्थानों में आधारभूत संरचना को मज़बूत किये जाने जैसी घोषणायें महत्वपूर्ण हैं। इनके अतिरिक्त सामुदायिक भवन इत्यादि खोलने के लिए शत प्रतिशत फ़ंडिंग की व्यवस्था किए जाने की भी सरकार की योजना है। सरकार द्वारा हज के कोटे में भी वृद्धि गयी है।

इसी तरह रोज़ा इफ़्तार को मुस्लिम तुष्टीकरण बताने वाले लोगों विशेषकर आर एस एस द्वारा इन दिनों चल रहे रमज़ान के दिनों में देश के इतिहास में पहली बार इफ़्तार पा की कई छोटी बड़ी दावतें देने की घोषणा की गयी है। जानकारों का मानना है कि मुसलामानों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए संघ ने यह योजना बनाई है। ख़बरों के अनुसार एक महीने चलने वाले रमज़ान के प्रारंभिक बीस दिनों में आंध्र प्रदेश व तेलंगाना राज्यों में रोज़ा इफ़्तार की कई दावतें आयोजित की जायेंगी। इतना ही नहीं बल्कि रमज़ान माह के आख़िरी 10 दिनों में ईद मिलन समारोह का सिलसिला भी चलेगा। संघ के अधीन संचालित होने वाले संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक डॉ इंद्रेश कुमार का मत है कि -'हम सभी एक साथ तभी तरक़्क़ी कर सकते हैं यदि हम नफ़रत को दफ़्न कर दें। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम सांप्रदायिक सद्भाव को और बढ़ाएं।' डॉ इंद्रेश कुमार के अनुसार -'इस रमज़ान से हम एक नई शुरुआत करने जा रहे हैं'।

परन्तु सरकार की मुस्लिम हितकारी योजनाओं और आर एस एस के इफ़्तार पार्टियों के आयोजन से यह सवाल ज़रूर खड़ा होता है कि जब पिछली सरकारों में यही अथवा इस तरह के निर्णय होते थे तो यही आज के 'सद्भाव के तथाकथित ध्वजवाहक' उन फ़ैसलों को मुस्लिम तुष्टीकरण बताते थे ? आख़िर ऐसा कैसे हो सकता है कि यदि यही काम वह करें तो तुष्टीकरण और यह करें तो सद्भाव ? (ले?खिका - निर्मल रानी/ईएमएस)

विश्व स्वास्थ्य संगठन दिवस

स्थापना अप्रैल 7, 1948; संयुक्त राष्ट्र संघ की विशिष्टीकृत एजेंसी,मुख्यालय जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड कोरोना काल में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी जिस कारण विश्व में जागृति चिकित्सा निर्देश जारी कर अनगिनत मौतों से बचाया .इस संस्था का मानव कल्याण में अति महत्वपूर्ण योगदान देकर कई रोगों से मुक्त कराया .

विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व के देशों के स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं पर आपसी सहयोग एवं मानव को स्वास्थ्य सम्बन्धी समझ विकसित कराने की संस्था है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश तथा दो संबद्ध सदस्य हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक अनुषांगिक इकाई है। इस संस्था की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को की गयी थी। इसका उद्देश्य संसार के लोगो के स्वास्थ्य का स्तर ऊँचा करना है। डब्ल्यूएचओ का मुख्यालय स्विट्ज़रलैण्ड के जिनेवा शहर में स्थित है। इथियोपिया के डॉक्टर टैड्रोस ऐडरेनॉम ग़ैबरेयेसस विश्व स्वास्थ्य संगठन के नए महानिदेशक निर्वाचित हुए हैं।

वो डॉक्टर मार्गरेट चैन का स्थान लेंगे जो पाँच-पाँच साल के दो कार्यकाल यानी दस वर्षों तक काम करने के बाद इस पद से रिटायर हो रही हैं। भारत भी विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक सदस्य देश है और इसका भारतीय मुख्यालय भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित है।

स्थापना

अन्तरराष्ट्रीय संगठन पर 1945 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भावेश पटेल, चीन गणराज्य के एक प्रतिनिधि ने नार्वे और ब्राजील के प्रतिनिधियों को एक इंटर्ना बनाने पर सम्मानित किया। इस विषय पर एक प्रस्ताव पारित करने में विफल रहने के बाद, अल्जीरिया हिस, सम्मेलन के महासचिव ने इस तरह के एक संगठन की स्थापना के लिए एक घोषणा का उपयोग करने की सिफारिश की। स्वेज़ और अन्य प्रतिनिधियों ने पैरवी की और स्वास्थ्य पर एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक घोषणा पारित कीड4. ठविश्वठ शब्द के उपयोग ने, ठअन्तरराष्ट्रीयठ के बजाय, वास्तव में वैश्विक प्रकृति पर जोर दिया कि संगठन क्या हासिल करना चाहता था. विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान पर 22 जुलाई 1946 को संयुक्त राष्ट्र के सभी 51 देशों और 10 अन्य देशों ने हस्ताक्षर किए थे। इस प्रकार यह संयुक्त राष्ट्र की पहली विशिष्ट एजेंसी बन गई जिसके प्रत्येक सदस्य ने सदस्यता ली। इसका संविधान औपचारिक रूप से पहली विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल 1948 को लागू हुआ, जब इसे 26 वें सदस्य राज्य द्वारा अनुमोदित किया गया था।

विश्व स्वास्थ्य सभा की पहली बैठक 24 जुलाई 1 9 4 हैविंग को समाप्त हुई, 1 9 4 9 वर्ष के लिए साँचाःळए ङ (तब उँः 1250000) का बजट प्राप्त हुआ। एंड्रीजा अरटाम्पार विधानसभा के पहले अध्यक्ष थे, और जी। ब्रॉक चिशोल्म को डब्ल्यूएचओ का महानिदेशक नियुक्त किया गया था, जिसने नियोजन चरणों के दौरान कार्यकारी सचिव के रूप में कार्य किया था।इसकी पहली प्राथमिकताएँ मलेरिया, तपेदिक और यौन संचारित संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने और मातृ और बाल स्वास्थ्य, पोषण को नियन्त्रित करने के लिए थीं। इसका पहला विधायी कार्य बीमारी के प्रसार और रुग्णता पर सटीक आँकड़ों के संकलन से सम्बन्धित था। विश्व स्वास्थ्य संगठन का लोगो चिकित्सा के लिए प्रतीक के रूप में रॉड ऑफ एसक्लियस की सुविधा देता है।

डब्ल्यूएचओ का संविधान बताता है कि इसका उद्देश्य ठस्वास्थ्य के उच्चतम सम्भव स्तर के सभी लोगों द्वारा प्राप्त करना हैठ

स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण मामलों पर नेतृत्व प्रदान करना और साझेदारियों में संलग्न होना जहां संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता है;

शोध के एजेण्डे को आकार देना और बहुमूल्य ज्ञान के सृजन, अनुवाद और प्रसार को प्रोत्साहित करना

मानदण्ड और मानक स्थापित करना और उनके कार्यान्वयन को बढ़ावा देना और निगरानी करना;

नीतिगत और साक्ष्य-आधारित नीति विकल्पों को स्पष्ट करना;

तकनीकी सहायता प्रदान करना, परिवर्तन को उत्प्रेरित करना और स्थायी संस्थागत क्षमता का निर्माण करना; तथा

स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी करना और स्वास्थ्य के रुझान का आकलन करना।

नागरिक पंजीकरण और महत्वपूर्ण आँकड़े- महत्वपूर्ण घटनाओं (जन्म, मृत्यु, विवाह, तलाक) की निगरानी प्रदान करना।

सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा और कार्रवाई

हर साल, संगठन विश्व स्वास्थ्य दिवस और एक विशिष्ट स्वास्थ्य संवर्धन विषय पर ध्यान केन्द्रित करने वाले अन्य अवलोकन करता है। विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को पड़ता है, जिसे डब्ल्यूएचओ की स्थापना की वर्षगाँठ से मिलान करने के लिए समय दिया जाता है। हाल के विषय वेक्टर-जनित रोग (2014), स्वस्थ उम्र बढ़ने (2012) और दवा प्रतिरोध (2011) रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ द्वारा चिह्नित अन्य आधिकारिक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान हैं विश्व तपेदिक दिवस, विश्व टीकाकरण सप्ताह, विश्व मलेरिया दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व रक्तदाता दिवस ,

संयुक्त राष्ट्र के हिस्से के रूप में, विश्व स्वास्थ्य संगठन सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्यों की दिशा में काम का समर्थन करता है।आठ सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्यों में से, तीन - दो तिहाई से बाल मृत्यु दर को कम करना, मातृ मृत्यु को तीन-चौथाई से कम करना, और एचआईवी / एड्स के प्रसार को कम करना और शुरू करना - सम्बन्धित ; अन्य पाँच अन्तर-सम्बन्धित और विश्व स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

डब्ल्यूएचओ 149 देशों और क्षेत्रों में 7,000 लोगों को रोजगार देता है। तंबाकू मुक्त काम के माहौल के सिद्धांत के समर्थन में, डब्ल्यूएचओ सिगरेट पीने वालों की भर्ती नहीं करता है। संगठन ने इससे पहले 2003 में तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन को उकसाया था। (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

आज का इतिहास 7 अप्रैल

1789 सलीम तृतीय तुर्की की गद्दी पर बैंठे.
1818 अंग्रेजों ने बिना मुकदमा चलाए लोगों को बंदी बनाने का कानून को लागू किया.
1920 विश्व प्रसिद्ध सितारवादक रवि शंकर का जन्म .
1929 इम्पीरियल एयरवेज ब्रिटेन की विमान सेवा भारत तक पहली बार शुरू हुई.
1941 ब्रिटिश फौजों ने लीबिया बेनगाजी बंदरगाह खाली किया.
1945 अमेरिकी विमान वाहक पोत के विमानों ने जापान के सबसे बड़े युद्धपोत यामातो को डुबो दिया.
1953 स्वीडन के दाग हैमरशोल्ड राष्ट्रसंघ के सदस्य चुने गए.
1988 ईरान और इराक ने एक-दूसरे की राजधानी पर बमबारी की, जिससे काफी लोग हताहत हुए.
1990 चीन ने दूरसंचार उपग्रह का प्रशेपण कर एक नए युग में प्रवेश किया.
1998 सोली सोराबजी नये एटार्नी जनरल बने.
2004 ओडिसी नृत्य के युगपुरुष गुरु केलुचरण महापात्र का निधन.
2005 श्रीनगर-मुजफ्फराबाद बस सेवा 'कारवां -ए- अमन' का उदघाटन.

मारादोना की जर्सी 40 करोड़ रुपये में नीलाम होने की उम्मीद

लंदन (ईएमएस)। अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर डिएगो माराडोना के 1986 विश्व कप क्वार्टर फाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ पहनी गयी जर्सी अब नीलाम होने जा रही है। इसकी नीलामी से करीब 40 लाख पाउंड (तकरीबन 52 लाख डॉलर या लगभग 40 करोड़ रुपये) रुपये मिलने की उम्मीदें हैं। इस मैच में माराडोना ने जो विजयी गोल किया था। उसे इतिहास में 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के नाम से जाना जाता है। इस मैच में माराडोना हेडर से गोल करना चाहते थे पर गेंद कथित तौर पर उनके हाथ से टकराकर गोल पोस्ट में चली गयी थी पर मैच रेफरी इसे नहीं देख पाये थे। उन्होंने हालांकि इस मैच में इंग्लैंड की लगभग पूरी टीम को अपनी शानदार ड्रिबलिंग से हैरान कर दिया था। नीलामीकर्ता सोथबाय ने बुधवार को कहा कि 20 अप्रैल को शुरू होने वाली ऑनलाइन नीलामी में जर्सी को 40 लाख पाउंड से अधिक की राशि मिल सकती है।

स्ट्रीटवियर और आधुनिक संग्रहणीय वस्तुओं की नीलामी देखने वाले सोथबाय के प्रमुख बराहम वाचर ने कहा कि यह शर्ट 'दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण खेल यादगार वस्तुओं की एक छोटी सूची में शामिल है। अर्जेंटीना इस मैच को 2-1 से जीतने के बाद सेमीफाइनल और फाइनल में जीत दर्ज कर चैम्पियन बना था। इस मैच के बाद माराडोना ने इंग्लैंड के मिडफील्डर स्टीव हॉज के साथ जर्सी की अदला-बदली की। उन्होंने अब तक इसे कभी बेचा नहीं था।

शब्द पहेली - 7248

बाएँ से दाएँ
1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब,शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश,बरखा-4
11. शांति,सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला,मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां,मम्मी,मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार,अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे
1. नाज,नखरा,चौंचला-2
2. भाग्य,किस्मत-3
3. अचानक,अकस्मात -3
4. देह,बदन-2
5. बिजली,विद्युत रश्मि-3
7. दबाना,कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत,युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा,शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र,आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -7247 का हल

■	कु	ली	न	■	■	ह	■	श
शा	■	प	■	क	म	ल	■	र
दी	न	ई	मा	न	■	क	स	म
■	■	य	■	क	ल	■	हा	■
क	ल	र	व	■	त	क	रा	र
■	की	■	ध	न	■	मा	■	■
भ	र	म	■	क	हा	नी	का	र
ला	■	का	ज	ल	■	दा	■	ण
ई	■	न	■	■	का	र	ण	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स में होगी टक्कर

मुंबई (ईएमएस)। कप्तान ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 सत्र में गुरुवार को लोकेश राहुल की लखनऊ सुपरजाइंट्स से मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। राहुल और ऋषभ दोनो ही बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटर होने के साथ ही अपने नेतृत्व कौशल के कारण भारतीय टीम की कप्तानी के दावेदारों में शामिल हैं। ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य बेहतर परिणाम देना रहेगा।

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स से आक्रामक बल्लेबाज डेविड वार्नर जबकि लखनऊ की टीम से ऑल राउंडर मार्कस स्टोइनिस जुड़ेंगे जिससे दोनों ही टीमें ओर बेहतर होंगी।

ऐसे में तय है कि कैपिटल्स की टीम टिम सीफर्ट की जगह वार्नर को उतारेगी जबकि स्टोइनिस को लखनऊ की टीम में जगह देने के लिए एंड्रयू टाई या इविन लुईस में से किसी एक को बाहर बैठना होगा। अभी स्टोइनिस के टाइ की जगह पर अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावनाएं ज्यादा हैं। दोनों टीम के लिए हालांकि गेंदबाजी चिंता का कारण रही है हालांकि ऑलराउंडर जेसन होल्डर के जुड़ने से सुपरजाइंट्स की टीम बेहतर हुई है। वहीं दूसरी ओर कैपिटल्स की टीम को सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी।

पिछले दो मैचों में सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने चेन्नई को अच्छी शुरुआत दी है। ऐसे में टीम को उनसे इस मैच में भी बेहतर खेल की उम्मीद रहेगी। लखनऊ के गेंदबाजों को हालांकि दिल्ली के बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने से रोकना होगा। कप्तान पंत और पृथ्वी से भी टीम को बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। प्रत्येक मैच के साथ ललित यादव बेहतर हो रहे हैं पर अनुभवी मनदीप सिंह की बल्लेबाजी अब तक खराब रही है।

मनजीत, लॉकी फर्ग्युसन और यहां तक की हार्दिक पंडया की गेंदों के खिलाफ जिस तरह लेग स्टंप की तरफ गए उससे पता चलता है कि उनका मनोबल गिरा हुआ है। सुपरजाइंट्स की टीम के पास मार्क वुड जैसा कोई तेज गेंदबाज नहीं है। ऐसे में मनदीप को एक और अवसर मिल सकता है पर अगर मनदीप को बाहर किया जाता है तो दिल्ली की टीम के पास उनकी जगह कोना भरत, सरफराज खान और यश धुल में से किसी एक को शामिल कर सकती है।

प्रथम श्रेणी सत्र के दौरान सरफराज काफी अच्छी लय में थे जबकि भरत ने पिछले साल आरसीबी के खिलाफ कुछ अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं लखनऊ की ओर से अनुभवी मनीष पांडे के बल्ले की खामोशी से टीम की मुश्किलें बढ़ी हैं। टीम के पास मनन वोहरा और करण शर्मा जैसे खिलाड़ी भी हैं पर इन्हें शायद ही अवसर मिले। वोहरा आईपीएल में एक दशक बिताने के बाद भी अपने को साबित नहीं कर पाये हैं जबकि करण अभी नये हैं।

दोनो ही टीम इस प्रकार हैं :

लखनऊ सुपरजाइंट्स : लोकेश राहुल (कप्तान), मनन वोहरा, इविन लुईस, मनीष पांडे, क्विंटन डिकॉक, रवि बिश्नोई, दुष्मंता चमीरा, शाहबाज नदीम, मोहसिन खान, मयंक यादव, अंकित राजपूत, आवेश खान, एंड्रयू टाइ, मार्कस स्टोइनिस, काइल मेयर्स, करण शर्मा, कृष्णप्पा गौतम, आयुष बडोनी, दीपक हुड्डा, कृणाल पंडया और जेसन होल्डर।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), अश्विन हेब्बार, डेविड वार्नर, मनदीप सिंह, पृथ्वी साव, रोवमैन पॉवेल, एनरिक नोर्किया, चेतन सकारिया, खलील अहमद, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, मुस्ताफिजुर रहमान, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, कमलेश नागरकोटी, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, रिपल पटेल, सरफराज खान, विक्की ओस्तवाल, यश धुल, केएस भरत और टिम सीफर्ट।

कोरिया ओपन : सिंधू और श्रीकांत प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सुनचियोन (ईएमएस)। भारत के शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और पुरुष वर्ग से किदांबी श्रीकांत कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर में पहुंच गये हैं। इन दोनो ने ही अपने पहले दौर के मुकाबले आसानी से जीत लिए।

सिंधू ने अमेरिका के लॉरेन लैम को 21-15 21-14 से हराया जबकि श्रीकांत ने मलेशिया के डेरेन ल्यू को 22-20 21-11 से हराया। सिंधू का सामना अब दूसरे दौर में जापान की आया ओहोरी से होगा जबकि श्रीकांत का मुकाबला इजराइल के मिशा जिल्बरमैन से होगा। इसके अलावा युवा लक्ष्य सेन और मालविका बंसोड़ ने भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में भारत के ही एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने भी कोरिया के बा डा किम और ही यंग पार्क की कोरिया की जोड़ी के खिलाफ वाकओवर के साथ ही दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अर्जुन और कपिला का सामना अब अगले दौर में मोहम्मद अहसन और हेंड्रा सेतियावान की इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा।

आईसीसी के अगले चेयरमैन बन सकते हैं गांगुली या शाह

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली और बोर्ड सचिव जय शाह को अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगले चेयरमैन पद के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं आईसीसी के वर्तमान चेयरमैन ग्रेग बार्कले अब आगे इस पद पर नहीं रहना चाहते हैं। बार्कले नवंबर 2020 से ही आईसीसी अध्यक्ष हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, गांगुली और जय शाह दोनों ही आईसीसी अध्यक्ष बनना चाहते हैं। इससे पहले भारत से जगमोहन डालमिया , शरद पवार , एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर आईसीसी चेयरमैन रहें हैं।

आईसीसी के मौजूदा चेयरमैन बार्कले ऑकलैंड में व्यावसायिक वकील हैं। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पेशेवर प्रतिबद्धता को देखते हुए बार्कले अपने कार्यकाल को अब आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं और ऐसे में नवंबर 2022 में आईसीसी को नया अध्यक्ष मिल सकता है। आईसीसी अध्यक्ष का चयन दो साल के किया जाता है और इसे छह साल से ज्यादा आगे नहीं बढ़ाया जा सकता।

फिंच के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने टी20 मुकाबले में पाक को हराया

लाहौर (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एरॉन फिंच के शानदार अर्धशतक की सहायता से पाकिस्तानी को एकमात्र टी20 मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने कप्तान बाबर आजम के अर्धशतक 66 रनों की सहायता से 8 विकेट पर 162 रन बनाए। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यह लक्ष्य सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान फिंच ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाये जबकि ट्रेविस हेड ने 26 , जोश इंगलिस ने 24 रनों का योगदान दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान पाक टीम की ओर से आजम ने 46 गेंदों पर 66 रन बनाये। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने भी 19 गेंदों पर 23 रन और खुशदिल शाह ने 21 गेंदों पर 24 रनों की अहम पारी खेली। इनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज 20 रन तक भी नहीं पहुंच पाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी रही पर फिंच और हेड के आउट होने के विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा। ऐसे में अन्य बल्लेबाज ने पारी संभाली स्टोइनिस ने 23 रन और बेन मैकडरमोट ने 22 रन बनाये। पाक की ओर से केवल तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ही सफल रहे। इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं मोहम्मद वसीम ने 4 ओवर में 30 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा उस्मान कादिर ने 2 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा।

नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई करेगा एटीपी

लंदन (ईएमएस)। विश्व टेनिस की शीर्ष संस्था (एटीपी) ने कहा है कि अब नियमों का उल्लंघन करने वाले टेनिस खिलाड़ियों को कड़ी सजा दी जाएगी। एटीपी ने एक आंतरिक नोट में खिलाड़ियों को यह चेतावनी दी। हाल में टेनिस कोर्ट में रैकेट फेंकने के साथ ही कई अन्य घटनाएं देखी गयी हैं जिनसे एटीपी को झटका लगा है। एटीपी पहले भी इस तरह के अपराध करने वाले खिलाड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए समय-समय पर दिशा-निर्देशों की समीक्षा करती रही है। हाल ही में संपन्न हुए इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में ऑस्ट्रेलिया के टेनिस खिलाडी निक किर्गियोस पर मैच के दौरान कई बार नाराजगी दिखाने के लिए 60 हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया था। इस दौरान कई पर्यवेक्षकों ने कहा कि किर्गियोस को अयोग्य घोषित कर देना चाहिए था।

विश्व के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ियों में शामिल जर्मनी के अलक्जेंडर ज्वेरेव भी ऑन कोर्ट अनुचित व्यवहार कर चुके हैं। फरवरी में अकापुल्को में खेले गए टेनिस टूर्नामेंट में डबल्स मुकाबले के दौरान उन्होंने काफी आक्रामक व्यवहार किया था। इस दौरान ज्वेरेव ने गुस्से में आकर अंपायर की कुर्सी पर अपना रैकेट तोड़ा था। इसके अलावा उन्होंने अंपायर के लिए अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया था। जिसके बाद ज्वेरेव पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें शेष टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। एटीपी अध्यक्ष एंड्रिया गौडेन्जी ने कहा, एटीपी कार्यवाहक टीम को आचार संहिता के उल्लंघन को देखते हुए सख्त रुख अपनाने का निर्देश दिया गया है ताकि खिलाड़ी कोई भी गलत कार्य न कर सकें।

केकेआर के गेंदबाज ने की आइपीएल इतिहास के सबसे तेज अर्धशतक के रिकार्ड की बराबरी

नई दिल्ली, आनलाइन डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 14वें मुकाबले में मुंबई की टीम को कोलकाता के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की टीम ने 4 विकेट पर 161 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में कोलकाता ने आखिर में खेली पैट कमिंस की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर महज 16 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया।

मुंबई की टीम को टूर्नामेंट में इस सीजन अपनी लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी। पहले बल्लेबाजी करते हुए खराब शुरुआत के बाद सूर्यकुमार यादव की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर टीम ने 4 विकेट पर 161 रन का स्कोर खड़ा किया। आखिरी में आकर कीरोन पालार्ड ने महज 5 गेंद पर 22 रन की आतिशी पारी खेलकर स्कोर को 160 के पार पहुंचाया था। लेकिन टीम की यह पारी कोलकाता के एक खिलाड़ी ने फीकी कर दी। कोलकाता के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने एक ऐसी पारी खेली जिसने उनका नाम आइपीएल इतिहास के बल्लेबाजी रिकार्ड में दर्ज करा दिया। मुंबई के खिलाफ महज 14 गेंद पर इस खिलाड़ी ने अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की।

कोलकाता के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने एक ऐसी पारी खेली जिसने उनका नाम आइपीएल इतिहास के बल्लेबाजी रिकार्ड में दर्ज करा दिया। मुंबई के खिलाफ महज 14 गेंद पर इस खिलाड़ी ने अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की। इस पारी के दौरान पैट बल्ले से 4 चौके और 6 छक्के देखने को मिले। इस पारी के साथ ही आइपीएल इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक जमाने के मामले में उन्होंने केएल राहुल की बराबरी कर ली।

केएल राहुल ने पंजाब की तरफ से खेलते हुए साल 2018 में दिल्ली के खिलाफ महज 14 गेदं पर पचास रन पूरे किए थे। यह आइपीएल इतिहास की सबसे तेज लगाई गई फिफ्टी रही। कमिंस ने 2022 में इसी कमाल को कर दिखाया और 14 गेंद पर हाफ सेंचुरी जमा दी। कोलकाता की तरफ से खेलते हुए यूसुफ पठान ने 2014 में हैदराबाद के खिलाफ 15 गेंद पर फिफ्टी जमाई थी। कोलकाता के सुनील नरेन के नाम भी 15 गेंद पर पचास बनाने का रिकार्ड है।

आतंकवाद, सांप्रदायिक हिंसा के मद्देनजर पाक यात्रा से बचें, अमेरिका ने अपने नागरिकों को दिया सुझाव

वाशिंगटन (ईएमएस)। पाकिस्तान में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर अमेरिका ने परामर्श जारी कर अपने नागरिकों से आतंकवाद और सांप्रदायिक हिंसा को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करने को कहा। विदेश विभाग ने अपने नवीनतम यात्रा परामर्श में पाकिस्तान को यात्रा के लिहाज से स्तर-3 पर रखा है। अमेरिका ने ताजा परामर्श में अपने नागरिकों को आतंकवाद और अपहरण के कारण बलूचिस्तान प्रांत और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की यात्रा नहीं करने को कहा। अमेरिका ने अपने नागरिकों से आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की आशंका के मद्देनजर नियंत्रण रेखा से बिल्कुल सटे इलाकों की यात्रा नहीं करने का भी परामर्श दिया है।

बूचा शहर से लाए यूक्रेन के झंडे को चूमकर पोप फ्रांसिस ने जंग खत्म करने की मांग की

रोम (ईएमएस)। रूस द्वारा यूक्रेन पर पिछले 40 दिनों से अधिक से हमला जारी है। हाल के दिनों में बूचा शहर से कई शव मिले हैं, अब भी लाशों को निकालने का सिलसिला जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक 400 से अधिक बॉडी मिल चुके हैं। इस बीच पोप फ्रांसिस ने बूचा शहर से लाए गए यूक्रेन के झंडे को चूमकर युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से अपील की है।

पोप फ्रांसिस ने छह यूक्रेनी बच्चों का स्वागत कर उन्हें एक विशाल चॉकलेट ईस्टर अंडा दिया। उन्होंने उनके लिए और सभी यूक्रेनियन के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों ने कहा है कि युद्ध ने हमें क्या दिया है, ये बच्चे उसके उदाहरण हैं। इन बच्चों को सुरक्षित जगह तक पहुंचने के लिए अपना घर छोड़ना पड़ा और हजारों किलोमीटर दूर जाना पड़ा।

बूचा में काफी संख्या में शव मिलने से जुड़ी घटना पर भारतीय विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने कहा है कि हम रिपोर्ट से काफी परेशान हैं। हम इन हत्याओं की निंदा करते हैं। हम इस घटना की स्वतंत्र जांच कराने के आह्वान का समर्थन करते हैं।

ईयू देशों ने 48 घंटे में 120 रूसी राजनयिक निकालने व कोयले का आयात रोकने पर भड़का रूस

मास्को (ईएमएस)। यूक्रेन के बुचा में की गई रूसी सैनिकों की बर्बरता ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। पिछले महीने रूस और यूक्रेन के बीच शांति को लेकर बैठक हुई और कुछ शहरों में आक्रमण को कम करने पर सहमति भी बनी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। युद्ध पहले से भी कहीं ज्यादा विध्वंसक हो गया है। रूसी सेना आम नागरिकों की बेरहमी से हत्या कर रही है। हजारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं। यूक्रेन के बूचा में रूसी सेना के नरसंहार के बाद यूरोपीय संघ के सदस्य देश भड़के हुए हैं। पिछले 48 घंटे में कई देशों ने 120 से अधिक रूसी राजनयिकों को देश से निकाल दिया है। इनमें से अधिकतक राजनयिकों पर रूस के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। रूसी राजनयिकों को निष्कासित करने वाले देशों में स्पेन, इटली, डेनमार्क और स्वीडन, जर्मनी और फ्रांस शामिल हैं।

यूरोपीय संघ ने बुधवार को ही रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों का ऐलान करते हुए 3 बिलियन से अधिक के कोयले के आयात पर रोक लगा दी है। हालांकि, जर्मनी और ऑस्ट्रिया के विरोध के कारण रूसी गैस और तेल सप्लाई पर प्रतिबंध का ऐलान नहीं किया जा सका। रूसी सैनिकों के द्वारा यूक्रेन के बुचा में की गई बर्बरता दुनियाभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। बुचा में चार सौ से अधिक नागरिकों के शव पाए गए और इन सभी लाशों को एक गड्ढे में दफना दिया गया। अब बुचा नरसंहार के खिलाफ जर्मनी ने रूस पर एक्शन लेते हुए रूस के 40 राजनयिकों को अपने यहां से निकाल दिया है। जर्मनी की तरफ से इन राजनयिकों को वहां आने से मना कर दिया गया है। जर्मनी की इस प्रतिक्रिया के बाद देखना है रूस का अगला कदम क्या हो सकता है।

खबरों के मुताबिक जर्मनी के इस सख्त फैसले के बाद रूसी राजनयिकों के पास देश छोड़ने के लिए पांच दिन का वक्त है। यह भी आरोप लगाया गया कि यह सभी लोग रूसी जासूसी एजेंसी के लिए काम करते थे। इससे पहले इटली ने भी सुरक्षा चिंताओं के कारण 30 रूसी राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। इटली ने रूस के राजदूत को यह बताने के लिए तलब किया है कि राजनयिकों को निष्कासित किया जा रहा है। यूरोपीय संघ ने कहा कि बेल्जियम से 19 रूसी राजनयिकों को निष्कासित किया जा रहा है।

ईयू के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने एक वीडियो बयान में कहा मैंने ईयू के रूसी संघ के स्थाई मिशन के कई अधिकारियों को उनके राजनयिक दर्जे के विपरीत गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवांछित व्यक्ति नामित करने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा कि इस कदम पर स्पष्टीकरण के लिए रूसी दूत को ईयू में तलब किया गया है। संयुक्त राष्ट्रः भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन संकट पर चुप्पी तोड़ी । भारत ने बुचा शहर में रूसी सैनिकों द्वारा नागरिकों के मारे जाने संबंधी खबरों को ''बेहद परेशान '' करने वाला व ठपीड़ादायकठ करार देते हुए इस कृत्य की कड़ी निंदा की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने यूक्रेन पर संरा सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि बुचा में नागरिकों के मारे जाने संबंधी हालिया खबरें काफी परेशान करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि भारत बुचा हत्याओं की निंदा करता है और एक स्वतंत्र जांच के आह्वान का समर्थन करता है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे भारत-नीदरलैंड : कोविंद

एम्सटर्डम (ईएमएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि भारत और नीदरलैंड सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व समृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में एक साझा प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। कोविंद अपनी दो देशों की यात्रा के अंतिम चरण में सोमवार को तुर्कमेनिस्तान से एम्स्टर्डम पहुंचे थे। 1988 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर वेंकटरमन के बाद बीते 34 वर्षों में यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली नीदरलैंड यात्रा है। अपनी यात्रा के दौरान कोविंद नीदरलैंड के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगे। मंगलवार को किंग विलियम एलेक्जेंडर द्वारा आयोजित राजकीय भोज के दौरान अपने संबोधन में कोविंद ने कहा कि यह वर्ष द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है, क्योंकि दोनों देश संयुक्त रूप से अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जो भारत-नीदरलैंड साझेदारी की गहराई को दर्शाता है। उन्होंने कहा दो संपन्न लोकतांत्रिक देशों व आर्थिक दिग्गजों के रूप में भारत और नीदरलैंड स्वाभाविक भागीदार हैं। हम वैश्विक चुनौतियों के बहुपक्षीय समाधान के बारे में साझा दृष्टिकोण रखते हैं।'' कोविंद ने नीदरलैंड को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र और यूरोपीय संघ (ईयू) में एक महत्वपूर्ण पक्ष करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देश वैश्विक शांति, सुरक्षा व समृद्धि प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए एक साझा प्रतिबद्धता रखते हैं।

रूसी साजो-सामान में निवेश जारी रखना भारत के हित में नहीं : ऑस्टिन

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सांसदों से कहा कि रूस के सैन्य उपकरणों में निवेश जारी रखना भारत के हित में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका चाहता है कि नयी दिल्ली रूसी सैन्य उपकरणों पर अपनी निर्भरता कम करे। ऑस्टिन ने वार्षिक रक्षा बजट पर अमेरिकी कांग्रेस की कार्यवाही के दौरान सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को बताया हम उनके (भारत) साथ बात करके उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि रूसी उपकरणों में निवेश जारी रखना उनके हित में नहीं है। हम चाहते हैं कि वे सभी प्रकार के रूसी उपकरणों में निवेश कम करें। ऑस्टिन ने कांग्रेस सदस्य जो विल्सन के एक सवाल के जवाब में यह बात कही। विल्सन ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर भारत की प्रतिक्रिया की आलोचना की थी।

कच्चे माल की लागत बढ़ने से इस्पात में तेजी, रुस-यूक्रेन जंग के कारण

कोलकाता (ईएमएस)। कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी ने अहम स्टील कंपनियों को अप्रैल में कीमतें बढ़ाने के लिए मजबूर किया हैं। इससे पहले लगातार दो महीने ये कंपनियां स्टील के दाम बढ़ा चुकी हैं। देश की बड़ी स्टील कंपनियों जेएसडब्ल्यू स्टील, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) और जिंदल स्टील ऐंड पावर (जेएसपीएल) ने हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) की कीमतों में 4 से 5 हजार प्रति टन की बढ़ोतरी की है। एचआरसी को फ्लैट स्टील के लिए बेंचमार्क माना जाता है। लॉन्ग प्रॉडक्ट बनाने वाली जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसपीएल ने रीबार की कीमतों में क्रमशः 2,250 रुपए व 3,000 रुपए प्रति टन का इजाफा किया है। कीमत बढ़ोतरी के बाद एचआरसी का भाव अब जेएसडब्ल्यू स्टील व एएम/एनएस इंडिया के लिए अब 79,000-79,500 रुपए प्रति टन बैठता है। जेएसडब्ल्यू के रीबार की संशोधित कीमतें अब 73,000 से 73,500 रुपए प्रति टन है। विश्लेषकों के मुताबिक, ये कीमतें पिछली ऊंचाई के पार चली गई है।

कंपनी प्रमुख ने कहा, कंपनी ने लॉन्ग व फ्लैट उत्पादों की कीमतें 3 से 5 फीसदी तक बढ़ाई है, लेकिन यह लागत के असर की आंशिक भरपाई के लिए है। उन्होंने कहा, अप्रैल 2022 में हुई कोकिंग कोल की खरीद अप्रैल-मई के उत्पादन में जाएगी। इसके बाद मई व जून उत्पादन लागत के लिहाज से पीक सीजन हो सकता है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ती रही हैं, लेकिन रूस की तरफ से यूक्रेन पर हमले के बाद कीमतें बढ़ी हैं। कच्चे माल की लागत में इजाफा चिंता का विषय है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह नीचे आएगी। कुछ हद तक यह नीचे आनी शुरू हो चुकी है, और अगले कुछ महीनों में और घटेगी। यह स्टील की लागत नीचे लाएगी लेकिन जब तक सिस्टम की लागत बढ़ती रहेगी, हमें देखना होगा कि हम इससे कैसे निपटते हैं, और हमें कुछ लागत का भार ग्राहकों पर डालना होगा।

कोकिंग कोल की कीमतें 670 डॉलर प्रति टन तक चली गई थी, जो पिछले कुछ हफ्तों में नीचे आई है। हालाकि उद्योग के सूत्रों ने कहा कि कीमतें अभी भी पिछले साल से ज्यादा है। इसके अतिरिक्त अन्य कच्चे माल की कीमतें उच्चस्तर पर बनी हुई है। लौह अयस्क भी बढ़त की राह पर है। एनएमडीसी ने अप्रैल में 200 रुपए प्रति टन तक कीमतें बढ़ाई है। स्टील की कीमतें फरवरी में बढ़नी शुरू हुई थी और फिर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। पिछले एक महीने में फ्लैट स्टील की कीमतें 10,000 रुपए प्रति टन बढ़ी है। हालांकि एमएसएमई के लिए कुछ राहत हो सकती है।

एनएलएडब्ल्यू और जेवलिन ने यूक्रेनी सैनिकों ने मचाई तबाही, पीछे हटने को विवश हुए रूसी सैनिक

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन ने रूसी सेना का जिस तरह से डटकर मुकाबला किया, उसने दुनिया को चौंका दिया है। दो बेहद कारगर हथियारों से यूक्रेन ने वह कर दिखाया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। रूसी सेना तेजी से आगे बढ़ते-बढ़ते अचानक ठिठक कर रह गई। रूस द्वारा थोपी गई जंग से निपटने के लिए ब्रिटेन ने यूक्रेन को नेक्स्ट जेनरेशन लाइट एंटी-टैंक वेपन (एनएलएडब्ल्यू) दिए। पहली खेप में 2000 और दूसरी में 1615 एनएलएडब्ल्यू दिए गए। दूसरी खेप यूक्रेन को 9 मार्च को ही मिली थी। इन हथियारों ने रूसी टैंकों को आगे बढ़ने से रोक दिया।

यूक्रेन सेना ब्रिटेन से ऐसे और हथियार मांग रही है। इसके बाद ऐसे 100 और हथियार लक्जमबर्ग ने दिए। ब्रिटेन ने यूक्रेन को ऐसे 6000 और हथियार देने की बात कही। ब्रिटेन अब तक यूक्रेन को 4200 से ज्यादा एनएलएडब्ल्यू दे चुका है। शुरूआत में ये हथियार काफी कारगर भी रहा मगर पेंटागन नेतृत्व का कहना है कि रूस के नए टी-90 टैंक जेविलन और एनएलएडब्ल्यू का पता लगाकर उन्हें नष्ट करने में सक्षम हैं। रूसी सैनिकों को अब अपने टैंकों पर स्टील के पिंजरे वेल्ड करते हुए भी देखा जा रहा है। एनएलएडब्ल्यू असल में स्वीडिश कंपनी 'साब' की खोज है। उसने इन्हें बनाकर नाटो देशों को बेचा है, जिनमें ब्रिटेन भी शामिल है। हालांकि ब्रिटेन के पास टैंक रोधी जेवलिन सिस्टम है, मगर उसने 10 साल पहले इसे 'साब' से खरीदना शुरू कर दिया था। यही वजह है कि अब वह यूक्रेन को बड़े पैमाने पर इन्हें भेज पा रहा है। जेवलिन 2 हिस्सों में बनी है।

जेवलिन में 15 पौंड का लांचर है, जिसे फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरा हिस्सा 33 पौंड की डिस्पोजेबल टयूब है जो कि मिसाइल है। इसमें थर्मल कैमरे लगे हैं, जिन्हें जूम कर टार्गेट का पता लगाया जा सकता है। दूसरी ओर एनएलएडब्ल्यू में कोई कैमरा नहीं होता। टार्गेट को देखो और दागो के सिद्धांत पर इसे चलाया जाता है। इससे 20 से 800 मीटर तक का टार्गेट हिट किया जाता है जबकि जेवलिन से ढ़ाई मील तक किसी भी टैंक को नष्ट किया जा सकता है। इस तरह से नजदीकी लड़ाई में एनएलएडब्ल्यू कारगर हथियार है।

एक वीडियो से पता चला कि यूक्रेनी सैनिक हमले से पहले इलाके की गश्त करते हैं। एक सुरक्षित दूरी से घात लगाकर अपनी पीठ पर लदे ब्रिटेन के उपहार (एनएलएडब्ल्यू) से हमला करते हैं। उन्हें हमला करने में सिर्फ 15 सेकेंड का समय लगता है और कई बार तो उससे भी कम समय में वे यह कर दिखाते हैं। इन 2 हथियारों में से एक तुर्की से मिला सस्ता सा ड्रोन भी है। असल में यह ड्रोन मिसाइल लेकर चलने में सक्षम एक उड़ने वाला रोबोट है। इसने रूस के बहुत से टैंकों और आर्म्ड वाहनों को तबाह किया है। इसने रूसी सेना के लिए ईंधन लेकर आ रहीं 2 मालगाड्यिों को भी तबाह किया। इस ड्रोन का नाम है बायरात्क्तार टीबी-2। यूक्रेन की सेना ने 2019 में तुर्की से 12 बायरात्क्तार टीबी2 ड्रोन खरीदे थे। इसके अलावा यूक्रेन की नौसेना ने भी पिछले साल 6 ऐसे ड्रोन खरीदे।

न्यूजर्सी में साईं बालाजी मंदिर की स्थापना के लिए खर्च किए जाएंगे तीन करोड़ डॉलर

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के न्यूजर्सी में तीन करोड़ डॉलर की लागत से साईं बालाजी को समर्पित एक भव्य मंदिर के साथ ही 30 फुट ऊंची भगवान हनुमान की मूर्ति और विशाल सामुदायिक केंद्र की स्थापना की जाएगी। करीब 12 एकड़ में फैले ओम श्री बालाजी मंदिर के भव्य प्रांगण में स्थापित की जाने वाली भगवान हनुमान की मूर्ति न्यू जर्सी की पूरी मोनरो बस्ती में दिखाई देगी। जनगणना 2020 के आंकड़ों के मुताबिक, मोनरो की आबादी करीब 50,000 है। पिछले कुछ वर्षों में इस बस्ती में भारतीय-अमेरिकी आबादी की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मोनरो में अनुमानित 6,000 भारतीय-अमेरिकी रहते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट मुनाफावसूली हावी होने के कारण आई है। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बैंक और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली रही जिससे घरेलू बाजार भी नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 566.09 अंक करीब 0.94 फीसदी नीचे आकर 59,610.41 अंक पर बंद हुआ। जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 666.66 अंक फिसलकर 59,509.84 तक आ गया था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 149.75 अंक तकरीबन 0.83 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,807.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के तीस शेयरों में एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक के शेयर गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर एनटीपीसी, टाटा स्टील, पावरग्रिड, भारती एयरटेल, नेस्ले और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर लाभ में रहे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार गिरावट का असर घरेलू बाजार पर पड़ा है। बुधवार को जब कारोबार शुरू हुआ तो रुचि सोया के शेयरों में जबरदस्त गिरावट आई। वहीं

मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा 8 को

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की दो दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक बुधवार से शुरू हो रही है। यह बैक केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत की अध्यक्षता में होगी और इसके नतीजों की घोषणा आठ अप्रैल को की जाएगी। विशेषज्ञों की मानें तो इस बार भी रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दरों को यथावत रख सकता है। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बीती समीक्षा बैठक में लगातार दसवीं बार नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। फिलहाल, रेपो दर चार फीसदी पर बनी हुई हैं। वहीं रिवर्स रेपो दर की बात करें तो यह 3.5 फीसदी पर यथावत है। पूर्व में आई रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजर्व बैंक इस बार भी ब्याज दरों पर अपनी यथास्थिति को कायम रख सकता है। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच जार युद्ध से उपजे भू-राजनैतिक हालातों के चलते केंद्रीय बैंक के रुख में बदलाव की भी संभावना बन रही है। बहरहाल, आरबीआई क्या फैसले लेती है इस बात का फैसला तो आठ अप्रैल को परिणाम आने पर ही पता चल सकेगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर करने का प्रयास करेंः गोयल

मेलबर्न (ईएमएस)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार बढ़ाकर 100 अरब डॉलर का करने के लिए प्रयास करने चाहिए। अभी दोनों देशों के बीच 27.5 डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार होता है। ऑस्ट्रेलिया के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देश शिक्षा क्षेत्र में और अधिक सहयोग के लिए समझौता करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। इससे पहले, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो अप्रैल को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) पर हस्ताक्षर हुए थे। गोयल ने कहा ?कि मेरा सुझाव है कि हमारे प्रतिनिधियों को क्षेत्रवार तरीके से विचार करना चाहिए कि इस संबंध को किस तरह बढ़ाया जा सकता है। हमें और महत्वाकांक्षी होना चाहिए और 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने के प्रयास करने चाहिए। उद्योग मंत्री ने कहा कि दोनों देश शिक्षा, अनुसंधान, स्टार्टअप और कृषि प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं। उन्होंने अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में ऑस्ट्रेलिया से निवेश आकर्षित करने पर जोर देते हुए कहा ?कि हमारे पास बड़ा बाजार है और लोग बेहतर गुणवत्ता का जीवन चाहते हैं जो भारत और दुनियाभर के लोगों को एक बड़ा अवसर है। उन्होंने हवाई और पोत कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन टेहन ने कहा कि यह एक व्यापक व्यापार समझौता है।

हम भारत से अच्छे रिश्तों के हामी, पर कश्मीर के खिलाफ बचकानी हरकतें बर्दाश्त नहीं करेंगे : कुरैशी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक संकट को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान में नरम रुख वाली सरकार चाहता है। कुरैशी ने यह भी कहा कि भारत एक ऐसी पाकिस्तानी सरकार से नफरत करता है, जो अपने हितों की रक्षा करती है और एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाती है।

इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष कुरैशी ने कहा उनकी पार्टी का लक्ष्य भारत के साथ अच्छे संबंध बनाना है, लेकिन वह कश्मीर के खिलाफ बचकानी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी। कुरैशी ने कहा कि किसी भी देश को पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में दखल देने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और उसके फैसले संविधान, कानून और जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप होने चाहिए। यह कहते हुए कि राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) ने विदेशी हस्तक्षेप की सूचना दी है और इसे अनुचित माना है। कुरैशी ने आगे कहा कि पाकिस्तानी समाज में चिंता का प्राथमिक कारण आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप से उपजा है। यह पुष्टि करते हुए कि सरकार ने वाशिंगटन में राजदूत के माध्यम से विरोध दर्ज किया था।

कुरैशी ने कहा कि एनएससी के निर्देश पर, हमने एक राजनयिक को विदेश कार्यालय में एक डेमार्श जारी करने या कड़ी आपत्ति के लिए बुलाया। पूर्व वित्तमंत्री ने दावा किया कि तुर्की, चीन और रूस ने विदेश कार्यालय को बयान जारी कर पीटीआई को अपना समर्थन दिया है। कुरैशी ने तुर्की की ओर से जारी बयान का हवाला देते हुए कहा कि वे एक बेहतर पाकिस्तान चाहते हैं। दरअसल, रूस ने इमरान खान का बचाव करते हुए अमेरिका पर निशाना साधा था। रूस ने कहा था कि इमरान खान को अमेरिका के खिलाफ जाने की कीमत चुकानी पड़ रही है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूएनएससी पर जमकर निकाली भड़ास

-कहा- रूस पर एक्शन नहीं ले सकते तो खुद को बंद कर दे संयुक्त राष्ट्र

-रूसी बलों की ज्यादतियां इस्लामिक स्टेट के आतंकियों के कृत्यों से अलग नहीं

-रूसी बलों ने यूक्रेन की सेवा करने वाले हर व्यक्ति की चुन-चुन कर हत्या की

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर वे रूस पर एक्शन नहीं ले सकते हैं तो फिर उन्हें इस संस्था को बंद कर देना चाहिए। इस दौरान जेलेंस्की ने यूएनएससी से कहा कि रूसी बलों द्वारा की गई ज्यादतियां इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के कृत्यों से अलग नहीं हैं। उन्होंने रूसी बलों को युद्ध अपराध करने के मामले में न्याय के दायरे में लाने की खातिर तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग की। यूक्रेन में रूसी युद्ध अपराधों की इस्लामिक स्टेट (आईएस) से तुलना करते हुए, और नूर्नबर्ग की तर्ज पर एक न्यायाधिकरण के माध्यम से पूर्ण जवाबदेही की मांग करते हुए कहा कि रूस को परिषद से बाहर कर देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर यूएन बातों से ज्यादा कुछ करना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने जनादेश को पूरा करना चाहता है तो उस यह करना चाहिए। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने पहले संबोधन में कहा, मैं रूसी बलों के कब्जे से हाल में मुक्त कराए गए एवं कीव के पास स्थित बूचा शहर से कल लौटा। वहां एक भी ऐसा अपराध नहीं है, जो हुआ नहीं हो। रूसी बलों ने हमारे देश की सेवा करने वाले हर व्यक्ति की चुन-चुन कर और जानबूझकर हत्या की। उन्होंने रूसी बलों की ''बर्बरता'' की जानकारी देते हुए कहा, ''यह कुछ इलाकों पर कब्जा करने वाले आईएस जैसे आतंकवादी संगठनों से अलग नहीं है। यह काम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक सदस्य द्वारा किया जा रहा है, जो आंतरिक एकता, सीमाओं और देशों को नष्ट कर रहा है।''

जेलेंस्की ने कहा, ''हम एक ऐसे देश से निपट रहे हैं, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो को मरने के अधिकार में बदल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''यह वैश्विक सुरक्षा के पूरे ढांचे को कमजोर करता है। यह उन्हें दंड के बच निकलने की अनुमति देता है।'' जेलेंस्की ने कहा, ''रूसी सेना और उसे आदेश देने वालों को यूक्रेन में युद्ध अपराध करने के लिए न्याय के दायरे में तत्काल लाया जाना चाहिए।'' यूक्रेन के विभिन्न इलाकों खासकर बूचा से सामने आई खौफनाक तस्वीरों ने दुनिया में खलबली मचा दी है और रूस के खिलाफ युद्ध अपराधों के लिए मुकदमा तथा कठोर पाबंदी लगाने की मांग की गई है। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र की सबसे शक्तिशाली इकाई को लाशों के ढेर की 20 मिनट की वीडियो फुटेज दिखाते हुए ''रूसी आक्रमण को रोकने'' का आह्वान किया।

वित्त वर्ष 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.5 फीसदी बढ़ने का अनुमानः एडीबी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2022-23 में दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए सात प्रतिशत के सामूहिक विकास का अनुमान लगाया, जिसमें क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के चालू वित्त वर्ष में 7.5 फीसदी और अगले वर्ष आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। एशियाई विकास आउटलुक (एडीओ) 2022 को जारी करते हुए मनीला स्थित मल्टी-लेटरल फंडिंग एजेंसी ने कहा कि 2023 में 7.4 प्रतिशत तक पहुंचने से पहले दक्षिण एशिया में विकास 2022 में धीमा होकर सात फीसदी तक होने का अनुमान है। क्षेत्र में विकास की गतिशीलता काफी हद तक भारत और पाकिस्तान पर निर्भर करती है। एजेंसी ने एडीओ रिपोर्ट में कहा ?कि दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के 2022 में सामूहिक रूप से सात प्रतिशत और 2023 में 7.4 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के चालू वर्ष में 7.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में आठ फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 4.5 प्रतिशत तक बढ़ने से पहले कमजोर घरेलू मांग के कारण पाकिस्तान की वृद्धि 2022 में मध्यम से चार प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। एडीबी ने कहा कि विकासशील एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू मांग में मजबूत सुधार और निर्यात में निरंतर विस्तार के कारण इस साल 5.2 प्रतिशत और 2023 में 5.3 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है।

सोने में बदलाव नहीं, चांदी का भाव टूटा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी की कीमतों में बीते दो दिनों की गिरावट बुधवार को भी जारी रही। हालांकि, एमसीएक्स पर सोने के दाम में बुधवार को कोई बदलाव नहीं हुआ, लेकिन चांदी का दाम एक बार फिर टूट गया। सोने की कीमत बिना बदलाव के 51,370 रुपए प्रति दस ग्राम पर रही। कीमती धातुओं के दाम में गिरावट का दौर जारी है। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

चीन में गिरती जन्म दर ले सकती है विकराल रुप

-36 साल में सबसे कम जोड़े शादी के बंधन में बंधे

बीजिंग (ईएमएस)। पडौसी देश चीन में गिरती जन्म दर विकराल रुप ले सकती है। इस देश में जनसांख्यिकीय संकट जोर पकड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे देश में जन्म दर में गिरावट आएगी। चीन में पिछले साल शादियों की संख्या 36 वर्ष के निचले स्तर पर चली गई। चीन में 2021 में 76.3 लाख जोड़ों ने विवाह पंजीकरण कराया है, जो नागरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा 1986 से जारी आंकड़ों की दृष्टि से अब तक का सबसे निम्नतर आंकड़ा है।

एक स्वतंत्र विशेषज्ञ ही याफू को उद्धत करते हुए चीनी अखबार ने लिखा है कि विवाह पंजीकरण की संख्या में आई गिरावट से चीन में जन्मदर में गिरावट दर्ज की जाएगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) के वर्षवार तुलनात्मक अध्ययन से पता चलता है कि पिछले साल चीन की आबादी में पांच लाख से कम बढ़ी है। इस प्रकार जन्म दर में लगातार पांचवें साल गिरावट दर्ज की गई। आंकड़े बताते हैं कि चीन में पिछले तीन साल में विवाह पंजीकरण के मामले में गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2019 में एक करोड़ से कम जोड़ों ने विवाह पंजीकरण कराए, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 90 लाख से कम तथा 2021 में 80 लाख से कम रहा। चीन के एक सरकारी अखबार के अनुसार, 2021 में जितने जोड़े शादी के बंधन में बंधे, वह आंकड़ा 2013 के आंकड़ों की तुलना में महज 56.6 प्रतिशत है।

एक रिपोर्ट में चीन के सरकारी विभाग नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया था कि 2020 में जन्म दर प्रति हजार लोगों पर 8.5 दर्ज की गई है, जो 1978 के बाद से सबसे कम है।गौरतलब है कि 2013 में विवाह बंधन में बंधने वाले जोड़ों की संख्या सर्वाधिक थी। चीन की जन्म दर 1978 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। यह ऐसे समय पर हुआ है, जब सरकार जनसांख्यिकीय संकट को दूर करने के लिए संघर्ष कर रही है।

जेनोट्रांसप्लांटेशन की दुनिया भर में हो रही चर्चा

-एक व्यक्ति को लगाया था सुअर का आनुवंशिक रूप से संशोधित दिल

लंदन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने पूर्व में जेनोट्रांस्प्लांटेशन तकनीक का उपयोग किया था जिसकी सारे संसार में चर्चा हो रही है। जनवरी माह में डेविड बेनेट सीनियर की सेहत बहुत ही ज्यादा खराब हो गई थी।मैरीलैंड मेडिकल सेंटर यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों ने उनमें अनुवांशिक तौर पर संशोधित सुअर का दिल लगाने में सफलतापाई थी। इस ऑपरेशन को एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा गया।बेनेट भी स्वस्थ हो कर अपने परिवार के साथ समय बिताने लगे थे.लेकिन इसी महीने की 8 तारीख को बेनेट का देहांत हो गया। इससे जेनोट्रांस्प्लांट को दुनिया भर में सराहना मिलना कम नहीं हुई।

अमेरिका के फेडरल ड्रग्स एसोसिएशन के अनुसार जेनोट्रांस्प्लांटेशन कोई भी ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी गैर इंसानी जानवर के स्त्रोत से प्रत्यारोपण, रोपण या कोशिकाओं अंगों या ऊतकों का निषेचन शामिल हो।इस प्रक्रिया में ऐसे अंग भी शामिल होते हैं जो किसी जानवर के हों और अनुवांशिकी तौर पर संशोधित किए गए हों।अमेरिकन फेडरल एजेंसी के अनुसार जेनोट्रांस्पलांटेशन के पीछे प्रमुख मकसद इंसान अंगों की बढ़ती मांग है।लेकिन यह बहुत ही जोखिम भरी प्रक्रिया।इंसानी शरीर किसी बाहरी अंग को अस्वीकार कर देता है.रोचक बात यह है कि जेनोट्रांस्पलांटेशन का दुनिया में यह पहला मामला नहीं है।इससे पहले 17वीं सदी के 1667 में फ्रेंच डॉक्टर जीन बाप्तिस्ते डेनेज ने जानवरी की नसों से इंसानों के खून पहुंचाने में सफलता पाई थी।इसके अलावा पिछले सदी में भारत में भी जेनोट्रांस्पलांटेशन का एक ऑपरेशन किया गया था।1997 में भारत में एक इंसानी शरीर में सुअर का दिल प्रत्यारोपित करने की कोशिश की गई थी।इस ऑपरेशन में धनीराम बरुआ ने यह साहसिक प्रयास किया था।उसके बाद इस साल यह प्रयास किया गया जिसमें उल्लेखनीय सफलता मिली थी।जेनोट्रांस्पलांटेशन असर सफल होता है तो इसके बहुत सारे फायदे हैं.जेनोट्रांस्प्लांटेशन का सबसे बड़ा फायदा यही होगा कि इससे मानव प्रजाति की औसम उम्र में इजाफा हो सकता है।

इसके अलावा मानव अंगों की तस्करी पर लगाम लगने में मदद मिलेगी। पल्मोनोलॉजिस्ट पृथ्वी संघवी का मानना है कि इस प्रकियता से इंसानी जीवन लंबा हो सकता है और लोगों औसत आयु 80 से 90 साल तक पहुंच सकती है।यह एक बड़ी सफलता हो सकती है क्यों कि आजादी से पहले भारत की औसत आयु 35 साल की हुआ करती थी।चिकित्सा विकास के चलते आज यह 69 साल की हो चुकी है।लेकिन अगर जेनोट्रांसप्लांटेशन हकीकत में बदला तो भारत में औसत आयु 80-90 साल तक हो जाएगी।

भाजपा के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर

गुजरात में चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस को नहीं मिलेगा उम्मीदवार : पाटिल

गुजरात के ४१ जिलो/महानगरों के भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष और गुजरात के सीएम ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया

अहमदाबाद, ६ अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर गुजरात के ४१ जिलों/महानगरों के भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीआर पाटि ने कहा कि इस तरह का सक्रिय सदस्यों के लिए कार्ड वितरण कार्यक्रम पूरे देश और दुनिया में पहली बार हो रहा है। सक्रिय सदस्य बनने के लिए कम से कम २५ प्राथमिक सदस्यों को जोड़ते हैं तो आप एक सक्रिय सदस्य बन सकते हैं। सीआर पाटिल ने आगे कहा कि पहले पेज कमेटी के सदस्यों को प्राथमिक सदस्य बनाया गया और फिर उनको पदोन्नत किया गया।

पाटिल न आगे कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता किसी भी मुश्किल का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। चुनाव आयोग तय करता है कि चुनाव कराना है या नहीं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता लोगों की सेवा करना जारी रखते हैं यह मानते हुए कि चुनाव हर दिन होता है। पाटिल ने इस मौके पर कांग्रेस पर हमला करते हुए आगे कहा कि तहसील और जिला पंचायत चुनावों में, कांग्रेसियों को पता चल चुका है कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता कितना मजबूत और सक्षम है। उसे जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे हर कार्यकर्ता पूरा करता है। सीआर पाटिल ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव के समय कांग्रेसी कह रहे थे कि शहरी इलाकों में आपकी जीत हुई है।

तहसील/जिला पंचायत चुनाव में पता चलेगा, इस चुनौती को भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता ने उठाया था और कांग्रेस को एक भी सीट पर जीतने का मौका ही नहीं दिया। उन्होंने कहा, भाजपा का हर कार्यकर्ता जीतने के लिए पैदा हुआ है। आने वाले चुनाव में कांग्रेस को कोई प्रत्याशी नहीं मिलेगा।

कांग्रेस समेत पाटीदार और राजपूत समाज के कई लोग भाजपा में शामिल

साबरकांठा (ईएमएस) जिले के हिम्मतनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की मौजूदगी में कांग्रेस समेत पाटीदार और राजपूत समाज के अग्रणियों ने भगवा धारण कर लिया सीआर पाटील ने सभी लोगों को केसरिया टोपी पहनाकर भाजपा में स्वागत किया साबरकांठा के हिम्मतनगर में प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की उपस्थिति में अलग अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया भाजपा की स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सीआर पाटील ने संबोधित किया इस मौके पर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं समेत स्थानीय पाटीदार व राजपूत के समाज के नेताओं ने भाजपा जॉइन कर ली सीआर पाटील ने सभी को केसरिया टोपी और पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया सीआर पाटील ने दोपहर तक तीन कार्यक्रम किए, जिसमें पहले संगठन दिवस को लेकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया जिसके पश्चात प्रदेश कांग्रेस के सचिव और जिला कांग्रेस के पूर्व प्रमुख गोपालसिंह राठौड़ को भगवा धारण करवा भाजपा में शामिल किया गोपालसिंह के साथ 51 जितन नेताओं ने भाजपा ने जॉइन की इसके अलावा राजपूत समाज के युवा अग्रणी भृग्वेन्द्रसिंह कुंपावत भी कई युवाओं के साथ भाजपा में शामिल हो गए साथ ही हिम्मतनगर शहर के प्रतिष्ठित वकील और पाटीदार समाज के अग्रणियों ने भी भाजपा का दामन थाम लिया

पुलिसकर्मी पर कार चढ़ाने के आरोप में विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा गिरफ्तार

गांधीनगर (ईएमएस) सरकारी भर्तियों में हुई धांधली का पर्दाफाश करनेवाले आंदोलनकारी विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा को पुलिसकर्मी पर कार चढ़ाने के आरोप में गिरफ्तार किया है मंगलवार को ही युवराजसिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था और अब उनके खिलाफ दफा 307 और 332 के तहत मुकद्दमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है रेन्ज आईजी अभय चूडास्मा के मुताबिक विद्या सहायकों के कार्यक्रम को मंजूरी नहीं मिलने के बावजूद इसका आयोजन किया गया और लोग जमा हुए थे विद्या सहायकों को हिरासत में लेकर पुलिस मुख्यालय लाया गया था पीछे पीछे युवराजसिंह जाडेजा भी पहुंच गए और विद्या सहायकों को भड़काने का प्रयास किया था युवराजसिंह ने पुलिस के साथ भी घर्षण किया और कार में भागने का प्रयास किया पुलिसकर्मियों ने जब रोकने का प्रयास किया तो युवराजसिंह कांस्टेबल लक्ष्मणभाई पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया हांलाकि उस दौरान अन्य पुलिसकर्मियों के वहां पहुंचने से युवराजसिंह को भागने में सफलता नहीं मिली अभय चूडास्मा ने बताया कि युवराजसिंह ने अपनी कार में कैमरा लगा रखा और उसी कैमरे में पुलिस कांस्टेबल गाड़ी चढ़ाने के प्रयास की पूरी घटना कैद हो गई पुलिस फोरेन्सिक एफएसएल की मदद से उसका एनालिसिस करेगी साथ ही मोबाइल कॉल की भी जांच करेगी गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक मयूर चावडा ने बताया कि राज्य के विद्या सहायकों के साथ युवराजसिंह गांधीनगर में आंदोलन करने पहुंचे थे जहां उन्हें पुलिस ने रोकने का प्रयास किया उस वक्त युवराजसिंह पुलिस से भिड़ गए और एक कांस्टेबल पर कार चढ़ाने का प्रयास किया फिलहाल युवराजसिंह के खिलाफ धारा 307 और 332 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है

शहर में सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं

भाजपा के पेज प्रमुख की तरह आप भी बना रही गली-मोहल्ला प्रमुख

सूरत, ६ अप्रैल। विधानसभा चुनाव के लिए शहर में सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी चुनाव की तैारियों में जुटी हैं। हालांकि इस समय भाजपा और कांग्रेस की बजाय आम आदमी पार्टी ज्यादा सक्रिय दिख रही है।

आप अलग अलग कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को भाजपा सरकार की कमियां बता रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस महंगाई के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रही है। आप जनता को यह बताने में जुटी है कि गुजरात में भाजपा शासन के २५ वर्ष पूरे हो गए हैं, लेकिन अभी तक सिस्टम में बदलाव नहीं हुआ है। दूसरी तरफ आप भाजपा के पेज प्रमुख की तरह गली-मोहल्ला प्रमुख बनाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने के प्रयास कर रही है। आप ने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंप दी है कि हर गली मोहल्ले में कम से कम ५ लोगों को जोड़े और उन्हें भी जिम्मेदारी दें। वह अपने गली-मोहल्ले और सोसाइटी के लोगों को जोड़कर चुनाव से पहले पार्टी को मजबूत करें। आप का फोकस वराछा, अमरोली, कतारगाम, मोटा वराछा और सरथाणा इलाके में ज्यादा है। इन क्षेत्रों से आप के २७ पार्षद जीते थे। पार्टी की नजर सौराष्ट्र के लोगों के वोट पर है। अब आम आदमी पार्टी द्वारा लगातार शहर के तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। अब इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से अब आम आदमी पार्टी लोगों के बीच में अपनी पैठ बनाने की कोशिश में है। अब रविवार को उधना से लेकर सिटीलाइट तक तिरंगा यात्रा निकालकर पार्टी ने शक्ति दिखाने का प्रयास किया। अब हालांकि पार्टी को भटार और सिटी लाइट जैसे क्षेत्रों में लोगों को जोड़ने में दिक्कत आ रही है।

आग में घरेलू सामान समेत नकद दो लाख रुपए जलकर खाक

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के हाटकेश्वर क्षेत्र की एक सोसायटी के मकान में लगी आग में घरेलू सामान समेत रु. 200000 नकद जलकर स्वाहा हो गए आग इतनी तेजी से फैली कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के हाटकेश्वर क्षेत्र की कर्मभूमि सोसायटी के एक मकान में अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते विकराल स्वरूप धारण कर लिया इस आग में घरेलू सामान समेत दो लाख रुपए नकद जलकर स्वाहा हो गए आग लगने के सवाल पर मकान मालिक विनोदभाई ने बताया कि चैत्र नवरात्रि चल रही है और उनके घर के मंदिर में अखंड दीप प्रज्वलित किया गया है परिवार जब घर से बाहर गया हुआ था तब संभवतः चूहे दीपक पलट दिया और उसकी वजह से घर में आग भड़क उठी विनोदभाई ने बताया कि घर में पुराने कपड़ों का व्यवसाय करते हैं और कपड़ों की वजह से आग ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया

पेट्रोल और डीजल के बाद सीएनजी के दाम बढ़ गए

सीएनजी वाहन चालकों को लगा बड़ा झटका

अदाणी के बाद गुजरात गैस ने भी कीमतों में की भारी वृद्धि

अहमदाबाद, ६ अप्रैल। पेट्रोल और डीजल के बाद सीएनजी के दाम बढ़ गए हैं। गुजरात गैस न एक साथ सीएनजी के दाम में ६.४५ रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की है। मूल्य वृद्धि आज से प्रभावी है। गुजरात गैस सीएनजी की कीमत ७०.५३ रुपये से बढ़कर ७६.९८ रुपये हो गई है। अब यह कीमतों में यह बढ़ोतरी सीएनजी चालकों की परेशानी बढ़ा दी है। अब सीएनजी ही नहीं पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ गए हैं। पेट्रोल में ८० पैसे प्रति लीटर और डीजल में ८२ पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। अब आज हुई वृद्धि के बाद आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः १२०.५१ रुपये प्रति लीटर (८४ पैसे की वृद्धि) और १०४.७७ रुपए प्रति लीटर (८५ पैसे की वृद्धि) है। इससे पहले १ अप्रैल को अदानी गैस ने सीएनजी की कीमतों में पांच रुपये की बढ़ोतरी की थी। अब अहमदाबाद में सीएनजी की नई कीमत ७९.५९ रुपये है। अहमदाबाद में एक अप्रैल से पहले अदानी सीएनजी की पुरानी कीमत ७४.५९ रुपये थी। अब पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के बाद से लगातार कीमतों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। अब जिसे देखकर ऐसा लग रहा है कि सरकार ने चुनाव की वजह से तेल कंपनियों पर भाव नहीं बढ़ाने को लेकर दबाव डाल रखा था। अब लेकिन चुनाव खत्म होते ही मोदी सरकार ने यूक्रेन युद्ध के नाम पर लूट करने की छूट दे दी है। इसीलिए कंपनियां हर दिन तेल के बाद अब सीएनजी की कीमतों में वृद्धि कर रही हैं। इसके पहले सीएनजी की पुरानी कीमत ७०.५३ रुपया था। अब यह कीमत वृद्धि के बाद सीएनजी की कीमत ७६.९८ पर पहुंच गई है। यह कीमत वृद्धि की सीधी असर रिक्शा चालकों पर पड़ेगा। इसके अलावा जो कार चालक है जिनको पेट्रोल महंगा होने पर सीएनजी कीट लगवाई है उनको भी कीमत वृद्धि का सामना करना पड़ेगा।

टीआरबी-पुलिस ने ९ लाख पेट्रोल पंप मालिक के खाते में जमा कराया

अहमदाबाद, ६ अप्रैल। टीआरबी और पुलिस द्वारा वाहन चालकों को डराकर उनके पास से सौदेबाजी करते होने के मामला सामने आने के बाद यह मामला उच्च पुलिस अधिकारियों तक पहुंच गया। अब यह मामले में जांच करने पर लाखों के सौदेबाजी की जानकारी सामने आ रही है। बाहर से आते लोगों को रोककर उनके पास से सौदेबाजी करने के लिए नई टेक्नीक का उपयोग करते होने का सामने आने पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई है। टीआरबी और पुलिस द्वारा यदि किसी के पास नकद नहीं हो तो उनके रुपया कार्ड और गूगल पे द्वारा पेट्रोल पंप पर से वसूल करके काले काम के व्हाइट रुपया ले लिया जाता था। यह मामले में पहले कई मामले हुए कि जिसमें वाहन चालकों को पुलिस के डर से बचने के लिए विवाद करने के बाद रुपया देने के लिए तैयार हो जाते थे। जिसमें पेट्रोल पंप पर सौदेबाजी के ९ लाख रुपया जमा कराये जाने का सामने आया है। शहर के जी डीविजन ट्रैफिक पुलिस में सौदेबाजी करके लाखों की रकम जमा की गई होने की बात उच्च पुलिस अधिकारियों तक पहुंचने पर इस मामले में जांच कराई गई और इसमें बड़ा खुलासा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार यदि कोई वाहन राज्य बाहर का हो तो इसे रोककर जांच करने के बाद केस करने की धमकी दी जाती थी। यह धमकी बाद यदि किसी के पास नकद रुपये नहीं हो तो उनको पेट्रोल पंप पर ले जाकर ऑनलाइन पैमेंट या कार्ड स्वाइप करके रुपया वसूला जाता था। आई डीविजन से तबादला कराकर जी डीविजन में आयी दो टीआरबी, एक एएसआई की गैंग सौदेबाजी करने में एक्सपर्ट हो गई थी। यह गैंग वाहन की जांच करें और इसमें से शराब या नशा के लिए उपयोग में लेती गांजा सहित की वस्तुएं मिले तो बड़ी सौदेबाजी की जाती थी। यदि कोई व्यक्ति के पास नकद रुपया नहीं हो तो इसे डराकर कार्ड या ऑनलाइन पैमेंट द्वारा रुपया वसूला जाता था। यह रुपया पेट्रोल पंप के खाते में जमा करने के लिए कहा जाता था।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने टॉस उछालकर क्रिकेट टूर्नामेंट का कराया प्रारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात राज्य पंचायत स्पोर्ट्स एण्ड रिक्रिएशन क्लब द्वारा अहमदाबाद जिला पंचायत आयोजित 30वीं स्व. बळवंतराय मेहता अंतरजिला पंचायत क्रिकेट टूर्नामेंट का टॉस उछालकर रंगारंग प्रारंभ किया। इस 30वीं बळवंतराय मेहता अंतर जिला पंचायत क्रिकेट टूर्नामेंट में 32 टीमों के 640 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विपुल मित्रा, विकास आयुक्त, अहमदाबाद जिला कलेक्टर संदीप सांगले, जिला विकास अधिकारी डॉ. अनिल धामेलिया, गुजरात राज्य जिला पंचायत स्पोर्ट्स एण्ड रिक्रिएशन क्लब के अध्यक्ष, अहमदाबाद जिला पंचायत के क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन समिति के मुख्य सदस्य तथा बालकृष्ण स्वामीजी उपस्थित थे।

ग्राहकों को एफडी की फर्जी रसीदें देकर ३.१८ करोड़ का चूना लगाया गया

जामनगर, ६ अप्रैल। जामनगर की डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक की जामजोधपुर शाखा में करोड़ों का घोटाला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, यहां फीक्स डिपॉजिट रखने के लिए आये ग्राहकों को एफडी का हाथ से तैयार किया गया और बैंक जैसा ही सर्टिफिकेट देकर धोखा दिया जाता था। इस प्रकार से ग्राहकों को ३.१८ करोड़ रुपये का चूना लगाये जाने का खुलासा हुआ है। यह पूरे मामले का पर्दाफाश होने पर बैंक के चेयरमैन द्वारा जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है। उल्लेखनीय है कि जामनगर की सहकारी क्षेत्र की बड़ी बैंकों में मानी जाती जामनगर डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक में हाल में ही घोटाला सामने आया है। बैंक के चेयरमैन पीएस. जाडेजा ने यह मामले बताया है कि, जामजोधपुर ब्रांच में एफडी के लिए पैसा रखने के लिए ग्राहकों के पैसे स्वीकार किया गया था लेकिन उनको बैंक के नाम का एक नकली सर्टिफिकेट दिया जाता था। यह जानकारी सामने आने पर उच्च अधिकारियों, रिकवरी मैनेजर को ऑडिट के साथ जांच सौंपी गई थी। जिसमें जानकारी मिली कि ३.१८ करोड़ की धोखाधड़ी की गई है। इस घटना के साथ जुड़े हुए कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। आगामी दिन में यह कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाएगा। बैंक के चेयरमैन द्वारा यह कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है लेकिन यह घटना सामने आने के बाद दूसरे कई प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

आज से अहमदाबाद मंडल के सभी स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट फिर मिलेंगे 10 रुपये में

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर सभी स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट दर 07 अप्रैल 2022 से 10 रुपये रहेंगी। कोविड-19 के बढ़ते हुए केसों के मद्देनजर, कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए तथा रेलवे स्टेशनों पर अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से दिनांक 18 जनवरी 2022 से मंडल के अहमदाबाद, गांधीधाम, पालनपुर, महेसाणा, भुज, मणिनगर तथा साबरमती स्टेशनों पर अस्थाई रूप से प्लेटफॉर्म टिकट दर ?10 से बढ़ाकर ?30 किया गया था जिसे पुनःघटाकर मण्डल के सभी स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट दर 10 रुपये कर गया हैं।

कांग्रेस की अहमदाबाद से दिल्ली के राजघाट तक 'आजादी गौरव यात्रा' का प्रारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) आज भाजपा का स्थापना दिवस है और इस मौके पर उसने मोटर साइकिल रैली निकाली दूसरी ओर कांग्रेसने आजादी के 75वें वर्ष पर 'आजादी गौरव यात्रा' का आयोजि किया है कांग्रेस कार्यकर्ता हाथ में तिरंगा लेकर अहमदाबाद के गांधी आश्रम से दिल्ली के राजघाट तक पदयात्रा करेंगे अलग अलग दो स्थलों से आजादी गौरव यात्रा का आयोजन किया गया है आज अहमदाबाद स्थित गांधी आश्रम से आजादी गौरव यात्रा की कांग्रेस ने शुरुआत की है कांग्रेस की सेवा दल की टीम अहमदाबाद के गांधी आश्रम से दिल्ली के राजघाट तक पैदल 1175 किलोमीटर लंबी दूरी तय करेगी कांग्रेस की आजादी गौरव यात्रा में महिलाएं भी शामिल हैं अहमदाबाद से दिल्ली तक आजादी गौरव यात्रा 58 दिन चलेगी गुजरात में 10 दिनों तक विभिन्न जिलों से यात्रा गुजरेगी इस दौरान 3 लाख लोगों तक सीधे संपर्क करने का कांग्रेस का प्रयास है पदयात्रा के दौरान प्रत्येक गांव से अन्न, पानी और मिट्टी ली जाएगी विभिन्न गांव से एकत्र मिट्टी और पानी से राजघाट में पौधरोपण किया जाएगा आजादी गौरव यात्रा में शामिल 75 यात्री लगातार अपनी पदयात्रा जारी रखेंगे इस मौके पर कांग्रेस नेता लालजी देसाई ने कहा कि 75 वर्ष के पश्चात देश में दूसरी लड़ाई लड़ने की जरूरत लग रही है

इन्फ्रास्ट्रिबचर के अपग्रेडेशन और वृद्धि के साथ अग्रसर पश्चिम रेलवे

अहमदाबाद (ईएमएस) भारतीय रेल पर कई उपलब्धियों में अग्रणी होने का गौरव प्राप्त करने वाली पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्य-निष्पोदन प्राप्त करते हुए रिकॉर्ड स्थापित करके अपनी श्रेष्ठकता साबित की है। कोविड महामारी के बीच सबसे कठिन चुनौतियों का सामना करने के बावजूद पश्चिम रेलवे और मध्य रेल के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी के कुशल मार्गदर्शन और ऊर्जावान नेतृत्व में पश्चिम रेलवे ने ढांचागत विकास और संवर्द्धन सहित कई क्षेत्रों में प्रभावशाली कार्य-निष्पादन प्राप्त करने के लिए सभी बाधाओं को पार करना जारी रखा है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 सराहनीय प्रदर्शन के साथ विभिन्न मोर्चों पर पश्चिम रेलवे के लिए एक शानदार वर्ष रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 302 किमी गेज परिवर्तन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 233.51ङ्ग अधिक है। साथ ही 80.12 किमी दोहरीकरण कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। अहमदाबाद-बोटाद गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत कुल 170 किमी की लंबाई में से इस वित्तीय वर्ष में बोटाड-लोथल भुरखी-साबरमती डी केबिन का 166 किमी में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ढासा-जेतालसर गेज परिवर्तन परियोजना के संपूर्ण 104.44 किलोमीटर का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी तरह, मियागाम कर्जन डभोई-समलाया गेज परिवर्तन के मियागाम-डभोई खंड का 31.50 किमी का कार्य पूर्ण हो चुका है। ये गेज परिवर्तन परियोजनाएं भारतीय रेलवे पर यूनी-गेज नीति के लिए एक अहम कदम होंगी। यह गुजरात में कनेक्टिविटी में भी सुधार करेंगी और वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेंगी। कई दोहरीकरण परियोजनाओं को भी युद्धस्तर पर पूर्ण किया जा रहा है। सुरेंद्रनगर-राजकोट रेल लाइन का डालडी-वांकानेर खंड (12.16 किमी), विरमगाम-समाखियाली का वधारवा-मालिया खंड (5 किमी), नीमच-चित्तौड़गढ़ का निम्बाहेड़ा-बिसालवास्कलां खंड (20 किमी) और पालनपुर-समाखियाली दोहरीकरण का भीलडी-चंडीसर (32 किमी) और पालनपुर-चंडीसर (12 किमी) खंड दोहरीकरण को भी हाल ही में समाप्त वित्तीय वर्ष में पूर्ण कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 382.15 किलोमीटर की बड़ी परियोजनाओं को पूर्ण किया गया है। दोहरीकरण परियोजनाओं के पूर्ण होने से मौजूदा ट्रैकों पर यातायात का दबाव कम करने तथा और अधिक माल एवं पैसेंजर ट्रेनों को समायोजित करने तथा भविष्यद की जरूरतों को पूरा करने हेतु और अधिक ट्रेनों को शुरू करने में मदद मिलेगी। यह मौजूदा ट्रेनों की औसत गति और समयपालनता को बढ़ाने में भी सक्षम होगा। विरमगाम-समाखियाली के बीच दोहरीकरण से कांडला बंदरगाह और मुंद्रा बंदरगाह से देश के अन्य हिस्सों में परिवहन सुगम हो जाएगा। इन सभी परियोजनाओं को कोविड-19 महामारी की प्रमुख बाधाओं के बावजूद कमीशन किया गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डनिर्माण. राम करण यादव के सक्षम नेतृत्व में पश्चिम रेलवे के निर्माण विभाग द्वारा किए गए कार्य प्रशंसनीय है। पश्चिम रेलवे देश के समग्र और आर्थिक विकास हेतु ढांचागत वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विशेष ओलंपिक भारत द्वारा विकलांगों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य महोत्सव का आयोजन

गुजरात के 75 शहरों के 75,000 एथलीटों और 33 जिलों के 10,000 एथलीटों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी

अहमदाबाद, 6 अप्रैल, 2022: विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, विशेष ओलंपिक भारत ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रैल, 2022 को विकलांगों के लिए सबसे बड़े राष्ट्रीय स्वास्थ्य महोत्सव का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम के तहत 75 से अधिक शहरों में बौद्धिक विकलांग 75,000 एथलीटों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इनमें से 7500 से अधिक एथलीट 6 और 7 अप्रैल, 2022 को कर्णावती विश्वविद्यालय अहमदाबाद में स्क्रीनिंग में शामिल होंगे। इस बीच, नगर निगम इंडोर स्टेडियम में गुजरात के 4 जिलों के एथलीटों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

पहली बार हो रहे इस अनोखे आयोजन की जानकारी देते हुए स्पेशल ओलंपिक्स इंडिया के चेयरपर्सन डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, ठविशेष ओलंपिक भारत खेल, स्वास्थ्य और युवा नेतृत्व गतिविधियों के माध्यम से बौद्धिक विकलांग समुदाय की मदद करता है। और अपने जीवन को बेहतर और अधिक समावेशी बनाकर, वे एक ऐसी स्थिति बनाते हैं जहां वे एक ऐसे समाज में रह सकते हैं जहां वे स्वाभिमान और सम्मान के साथ रह सकें। 190 से अधिक देश इस कार्यक्रम का हिस्सा बन गए हैं और हमें भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम होने पर गर्व है।. भारत के 1.7 मिलियन से अधिक विशेष एथलीटों ने पंजीकरण कराया है और विशेष ओलंपिक आंदोलन में शामिल हुए हैं।

7 अप्रैल को मेडिकल स्क्रीनिंग के बाद समापन समारोह के लिए एथलीट नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 5-30 बजे से शाम 7-00 बजे तक जुटेंगे। गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र रजनीकांत पटेल समारोह की अध्यक्षता करेंगे। उनके साथ शामिल होने वाले विशिष्ट अतिथियों में स्पेशल ओलंपिक इंटरनेशनल के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी-डॉ. डॉ. एलिसिया बाज़ानो, विशेष ओलंपिक एशिया प्रशांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक दीपक नताली और प्रबंध निदेशक- डॉ. दीपक नताली और स्पेशल ओलम्पिक इंडिया के चेयरपर्सन - डॉ. मल्लिका नड्डा और एसओ इंडिया महासचिव-डॉ. डी। जी। चौधरी।

इस कार्यक्रम में पोरबंदर की लोकप्रिय गुजराती डांडिया रास प्रस्तुत की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद इ्छऊ-5 के 5000 एथलीटों का परिचय होगा और इस आयोजन को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह दिलाने की कोशिश करेंगे। इस मौके पर एध र्घ्र्ी को मिले विभिन्न पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी।

अहमदाबाद मंडल ने वर्ष 2021-22 में विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की कई उपलब्धियां

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कुल 6039 करोड रुपए का वार्षिक राजस्व हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसके अतिरिक्त मंडल ने विभिन्न विभागों द्वारा उल्लेखनीय कार्य करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि अहमदाबाद मंडल ने 5012 करोड रु. माल ढुलाई से, 825 करोड रुपए यात्रियों से, 202 करोड रुपए अन्य कोचिंग राजस्व से, 102 करोड रुपए पार्सल से तथा अन्य मदों से कुल 6039 करोड रुपए का अबतक का सर्वश्रेष्ठ राजस्व हासिल कर नया कीर्तिमान बनाया है। इस वर्ष गत वर्ष की अपेक्षा करीब 8ङ्ग अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। अहमदाबाद मंडल पर इस वर्ष ट्रेनों की समय पालना 96.8ङ्ग रही। मंडल द्वारा 400 किलोमीटर से भी अधिक विद्युतीकरण कर भारतीय रेलवे में दूसरा स्थान हासिल किया गया। इससे ईंधन की बचत होगी तथा ट्रेनों की स्पीड बढ़ेगी,अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर इंजन बदलने में लगने वाले समय में भी बचत होगी। भारत में सर्वाधिक ईंधन में पेट्रोल डीजल का आयात होता है,विद्युतीकरण से पेट्रोल और डीजल आयात में कमी आयेगी। एवं पर्यावरण प्रदूषण में भी कमी आएगी। इस साल अब तक का सर्वश्रेष्ठ 38.42 मिलियन टन माल का लदान किया गया।जो वर्ष 2014-15 के अधिकतम से लगभग 10ङ्ग अधिक रहा है। जिसमें साल्ट, ऑटोमोबाइल, आयरन और स्टील इत्यादि प्रोडक्ट शामिल थे।यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए इस वर्ष मंडल ने आठ आईसीएफ रैकों के डिब्बों को एलएचबी डिब्बों में परिवर्तित किया गया। मण्डल ने इस वर्ष नए रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) एवं रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूडब्ल्यू) बनाकर 27 लेवल क्रॉसिंग कम किए गए।आरपीएफ टीम द्वारा मेरी सहेली अभियान लांच किया गया जिसके तहत ट्रेन में अकेली ट्रैवल करने वाली महिला यात्री को अतिरिक्त सुरक्षा महसूस हो सकेगी।अहमदाबाद स्टेशन पर प्रत्येक प्लेटफार्म पर एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर पानी और ठंडे पानी की सुनिश्चता के लिए निर्देश भी दिए गए हैं। अहमदाबाद-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस और अहमदाबाद-दिल्ली आश्रम एक्सप्रेस की स्पीड बढ़ाई गई है जिससे लगभग 45 मिनट की बचत हुई है। मंडल ने ट्रैक मेंटेनेंस पर भी बहुत कार्य किया है और भविष्य में भी करते रहेंगे। जैन ने यह भी कहा कि यह राजस्व में वृद्धि मण्डल द्वारा माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए की गई विभिन्न पहलों के कारण संभव हुई है। मण्डल ने माल और पार्सल के परिवहन के लिए रेलवे के साथ गठजोड़ करने के लिए माल ढुलाई करने वालों को आकर्षित करने के लिए रेल मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं शुरू कीं। इसके अतिरिक्त, नए यातायात को आकर्षित करने और यातायात की मौजूदा धारा में रेल हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों (बीडीयू) का भी गठन किया गया। इससे रेलवे माल ढुलाई ग्राहकों को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम हुआ है और राजस्व में भी वृद्धि हुई है।

आर्ट गैलरी अहमदाबाद की गुफा में श्री एन.के. पटेल की तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई गई

अहमदाबाद शहर में अहमदाबाद गुफा में आर्ट गैलरी में श्री एनके पटेल की तस्वीरों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। एन। वह। पटेल द्वारा प्रदर्शित तस्वीरें बहुत ही अनोखी थीं। प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शित तस्वीरों ने भारत के उत्तर-पूर्व की संस्कृति को प्रदर्शित किया। इस प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि पद्मश्री थे। जितेंद्र नाथ गोस्वामी उपस्थित थे।

इस फोटोग्राफी प्रदर्शनी के बारे में बोलते हुए, श्री एन.के. पटेल ने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों में यात्रा और फोटोग्राफी के अपने शौक के कारण उन्होंने उत्तर-पूर्व में लगभग दस बार यात्रा की। वह संस्कृति, लोगों, पोशाक, वास्तुकला से प्रेरित थे, और प्रदर्शन पर सभी तस्वीरें उत्तर-पूर्व के भीतरी इलाकों से हैं। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, उत्तर प्रदेश और देश के आठ पूर्वोत्तर राज्यों का भारत में विशेष महत्व है। इन राज्यों का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व देश के बाकी राज्यों से अलग है। परिदृश्य, समुदायों की सीमा और भौगोलिक और पर्यावरणीय विविधता इन राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से काफी अलग बनाती है।

प्रदर्शनी में 190 के दशक में दलाई लामा के भारत आने और 19वें विश्व युद्ध के दौरान आजाद हिंद सेना के मणिपुर आने की तस्वीरें भी शामिल थीं। इस फोटोग्राफी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण उत्तर-पूर्व की प्राकृतिक सुंदरता की तस्वीरें थीं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95